RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक

समाचार–पत्र

अमिट रेखा

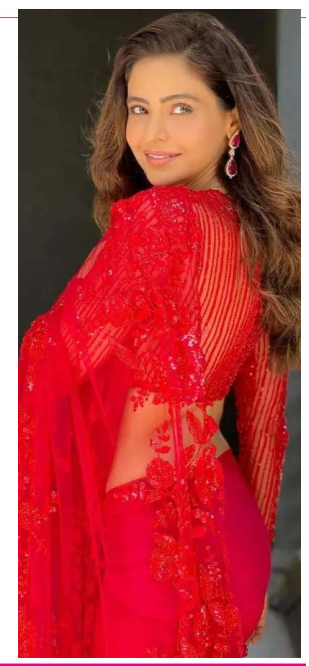

वर्ष 05 | अंक 196 | कुशीनगर | मंगलवार 18 मई, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये

कोरोनाः शिवराज ने पीएम मोदी से की फोन पर चर्चा स्थिति से कराया अवगत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर चर्चा कर प्रदेश में कोरोना की वर्तमान स्थिति से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि प्रदेश में स्थिति अब नियंत्रण में है। आज 5 हजार 921 पॉजिटिव केस आए हैं और 11 हजार 513 मरीज डिस्चार्ज हुए, प्रदेश का रिकवरी रेट 87 प्रतिशत है और मध्यप्रदेश में पॉजिटिविटी रेट 9 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री सिंह चौहान ने प्रदेश में

ऑक्सीजन और रेमडेसीविर इंजेक्शन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना और उन्हें धन्यवाद दिया है। प्रदेश में खोले जा रहे पोस्ट कोविड केयर सेंटर्स की दी जानकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश में चल रहे किल कोरोना अभियान और वैक्सीनेशन की जानकारी दी। गांव–गांव में पंचायत स्तर तक क्राइसिस मैनेजमेंट टीम के गठन, प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू के सफल क्रियान्वयन की जानकारी से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री को मध्यप्रदेश में खोले जा रहे पोस्ट कोविड केयर सेंटर की जानकारी भी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आश्वस्त किया।

कोई कार्यक्रम जारी नहीं हुआ: शिक्षा विभाग

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक फर्जी समय सारणी पर माध्यमिक शिक्षा विभाग ने कहा कि इस संबंध में अभी तक कोई भी कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। वायरल हो रही समय सारणी फर्जी है। दरअसल, परीक्षाओं को लेकर माध्यमिक शिक्षा विभाग कई विकल्पों पर काम कर रहा है। विभाग के अधिकारी जल्द ही अपना प्रस्ताव सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। मई के अंतिम सप्ताह तक सरकार इस पर निर्णय ले सकती है। बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि एक विकल्प यह है।

द्वापर युग में महाभारत युद्ध के उपरांत केदारनाथ में भगवान शिव ने पांडवों को दर्शन देकर उन्हें गोत्र, गुरु व ब्राह्मण हत्या के दोष से मुक्त किया था। यहां भगवान के स्वयंभू लिंग के पृष्ठ भाग की पूजा होती है। साथ ही प्रतिदिन आराध्य को भोग लगाया जाता है। मान्यता है कि द्वापर में महाभारत युद्ध में पांडवों पर गोत्र व गुरु हत्या का पाप लगा था।

दो पक्षों के बीच विवाद में गोली लगने से एक महिला की मौत

फिरोजाबाद,(एजेंसी)। जिले के थाना मठ सेना के क्षेत्र नरगारपुर में बीती रात्रि दो पक्षों में मामूली कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से पथराव हुआ। इसी बीच किसी ने गोली चलाई और एक महिला की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना मटसेना के क्षेत्र नरगापुर में फेरू सिंह व मातादीन के बीच पैसे के लेनदेन को लेकर छींटाकशी के बाद विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से पथराव हुआ। इसी बीच किसी ने गोली चला दी जिसमें 55 वर्षीय सुशीला देवी पत्नी फेरू सिंह की मौत हो गई जबकि फेरु सिंह का बेटा उमाशंकर एवं दूसरे पक्ष का सुग्रीव पुत्र मातादीन और बलराम पुत्र गांधी भी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह सरकार कोरोना की मार झेल रही जनता को राहत देने की बजाय उस पर कर का बोझ लाद रही है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ''कोरोना की मार झेल रहे आम लोगों को सरकार कोई राहत देने की बजाय कर का बोझ लाद रही 'जन लूट सरकार'। मोदी सरकार ने पिछले एक साल में पेट्रोल 22.99 रुपये व डीजल 20.93 रुपये बढ़ाया है।'' उन्होंने दावा किया, ''पेट्रोल की कीमतों में केवल 37.32 फीसदी व डीजल में 44. 03 फीसदी आधार मूल्य है, बाकघि टैक्स, मुनाफा और कमीशन है।'' गौरतलब है कि पेट्रोल के मूल्य में रविवार को 24 पैसे लीटर जबकि डीजल में 27 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गयी। इस वृद्धि के साथ देश के विभिन्न भागों में पेट्रोल रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है जबकि मुंबई में यह 99 रुपये लीटर के लगभग चला गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों की अधि ासूचना के अनुसार इस वृद्धि के साथ दिल्ली में पेट्रोल 92.58 रुपये लीटर और डीजल की कीमत 83.22 रुपये लीटर हो गयी है।

भाजपा नेता सांप्रदायिक बम फोड़ने का कर रहे हैं प्रयासः अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़,(एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मलेरकोटला पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथित 'भड़काऊ' बयान को कथित रूप से'तोता की तरह ' दोहराने को लेकर भाजपा नेताओं को निशाने पर लिया और चेतावनी दी कि वे 'राज्य में सांप्रदायिक घृणा का बम फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जिससे उनके चेहरे ही झुलस जाएंगे।' भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'शांतिप्रिय पंजाबियों के बीच सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की खुलेआम कोशिश उन्हें महंगी पड़ेगी।'' उन्होंने एक बयान में कहा , '' भाजपा नेता पंजाब में सांप्रदायिक नफरत का बम फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं जिनसे उनके ही चेहरे झुलस जायेंगे। '' सिंह ने मलेरकोटला को पंजाब का जिला घोषित करने पर आदित्यनाथ द्वारा किये गये ट्वीट को लेकर उनकी आलोचना की और इसे 'सांप्रदायिक घृणा' भड़काने का प्रयास बताया। आदित्यनाथ ने ट्वीट किया था, '' मत और मजहब के आधार पर किसी प्रकार का विभेद भारत के संविधान की मूल भावना के विपरीत है। इस समय, मलेरकोटला (पंजाब) का गठन किया जाना कांग्रेस की विभाजनकारी नीति का परिचायक है।'' भाजपा महासचिव तरूण चुग ने कहा था कि मलेरकोटला को नया जिला घोषित करने का पंजाब सरकार का निर्णय ''प्रशासनिक रूप से अविवेकपूर्ण लेकिन राजनीतिक रूप से सांप्रदायिक फैसला है।'' अमरिंदर सिंह ने आदित्यनाथ का बचाव करने के लिए 'आंख बंदकर कूद पड़ने को लेकर ' भाजपा नेताओं पर पलटवार किया। उन्होंने भाजपा पर देश के धर्मनिरपेक्ष ताने–बाने को नष्ट करने की व्यवस्थित कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस संबंध में सीएए कानून का हवाला दिया एवं किसान आंदोलन को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया।

सीबीआई बनाम ममता

एजेंसी के दफ्तर के बाहर जुटी टीएमसी कार्यकताओं की भीड़, पथराव और लाठीचार्ज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नारदा स्टिंग मामले में टीएमसी के चार नेताओं की गिरफ्तारी के बाद वहां राजनैतिक भूचाल मच गया है। सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद टीएमसी कार्यकर्ता भारी संख्या में दफ्तर के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर उथल–पुथल शुरू हो गई है। सीबीआई की ओर से टीएमसी के दो मंत्रियों समेत चार नेताओं को गिरफ्तार करने के बाद वहां राजनैतिक भूचाल मच गया है। टीएमसी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई कार्यालय के बाहर टीएमसी के कार्यकर्ता भारी संख्या में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इधर कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन करने से रोकने के लिए पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। ऐसा बताया जा रहा है कि सीबीआई के दफ्तर के बाहर सैकड़ों की संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता मौजूद हैं और टीएमसी कार्यकर्ताओं की ओर से पथराव भी किया गया। वहीं दफ्तर के अंदर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी लंबे समय से मौजूद हैं। तृणमूल कांग्रेस के समर्थक यहां झंडे लहरा रहे हैं और सीबीआई तथा केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। सीबीआई का दफ्तर निजाम पैलेस में केंद्र सरकार के कार्यालय परिसर में स्थित है। यहां पर बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं तथा परिसर में अवरोधक लगाए गए हैं। कोलकाता पुलिस के जवान भी बड़ी संख्या में यहां मौजूद हैं। सीबीआई ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के नेता फरहाद हकीम, सुब्रत मुखर्जी और मदन मित्रा के साथ पार्टी के पूर्व नेता शोभन चटर्जी को नारदा स्टिंग मामले में कोलकाता में गिरफ्तार किया। नारदा स्टिंग मामले में कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर धन लिए जाने के मामले का खुलासा हुआ था। संविधान का पालन करें ममता– राज्यपाल

संविधान का पालन करें ममता: राज्यपाल

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर इस मुद्दे पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था को बनाए रखने की कोशिश करे। इसके अलावा उन्होंने ममता बनर्जी से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी संविधान का पालन करें। इसके अलावा जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोलकाता पुलिस मूकदर्शक बनकर देख रही है। इलाके में स्थिति पूरी तरह से अराजक हो चुकी है। राज्यपाल ने कहा कि इलाके में पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश करे। टीएमसी कार्यकर्ताओं की मांग है कि पार्टी के टॉप चार नेताओं को जल्द से जल्द राहत किया जाए।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर इस मुद्दे पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था को बनाए रखने की कोशिश करे। इसके अलावा उन्होंने ममता बनर्जी से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी संविधान का पालन करें। इसके अलावा जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोलकाता पुलिस मूकदर्शक बनकर देख रही है। इलाके में स्थिति पूरी तरह से अराजक हो चुकी है। राज्यपाल ने कहा कि इलाके में पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश करे। टीएमसी कार्यकर्ताओं की मांग है कि पार्टी के टॉप चार नेताओं को जल्द से जल्द राहत किया जाए।

बता दें कि साल 2014 में हुए नारदा स्टिंग ऑपरेशन की कार्रवाई के तहत सीबीआई ने इन चार नेताओं को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस पर ममता बनर्जी ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि अगर गिरफ्तारी करनी है तो मुझे भी गिरफ्तार कीजिए। मंत्री हकीम, मुखर्जी, मित्रा और चटर्जी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी लेने के लिए सीबीआई ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ का रुख किया था। वर्ष 2014 में कथित अपराध के समय ये सभी मंत्री थे।धनखड़ ने चारों नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी जिसके बाद सीबीआई अपना आरोपपत्र तैयार कर रही है और उन सबको गिरफ्तार किया गया। नारद टीवी न्यूज चौनल के मैथ्यू सैमुअल ने 2014 में कथित स्टिंग ऑपरेशन किया था जिसमें तृणमूल कांगेस के मंत्री, सांसद और विधायक लाभ के बदले में कंपनी के प्रतिनिधियों से कथित तौर पर धन लेते नजर आए। यह टेप पश्चिम बंगाल में 2016 के विधानसभा चुनाव के ठीक पहले सार्वजनिक हुआ था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने स्टिंग ऑपरेशन के संबंध में मार्च 2017 में सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने ट्वीट कर इस मुद्दे पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था को बनाए रखने की कोशिश करे। इसके अलावा जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोलकाता पुलिस मूकदर्शक बनकर देख रही है। इलाके में स्थिति पूरी तरह से अराजक हो चुकी है। राज्यपाल ने कहा कि इलाके में पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश करे।

शिव के जयकारों के साथ केदारनाथ धाम के कपाट खुले

रुद्रप्रयाग,(एजेंसी)। उत्तराखंड में भगवान केदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह 5 बजे खुल गए। कोरोना वायरस के कारण इस मौके भक्तों की कमी देखने को मिली। पिछले साल भी कोरोना वायरस के चलते भक्तों की कमी थी। 19 नवंबर को केदारनाथ धाम के कपाट बंद किए गए थे। केदारनाथ धाम के पट खुलने से पहले पूरे मंदिर को 11 कुंतल फूलों से सजाया गया। इस दौरान पूरे केदारनाथ धाम का वातावरण भक्तिमय रहा। मंदिर के कपाट खुलने के दौरान केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग और मंदिर के मुख्य पुजारी बागेश लिंग, प्रशासन के लोग और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सरकार और देवस्थानमं बोर्ड ने कोरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए सोमवार को केदारनाथ के कपाट खोले। हालांकि अभी किसी को भी मंदिर के गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने ट्वीट कर कहा कि विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट आज सोमवार को प्रातरू 5 बजे विधि–विधान से पूजा–अर्चना और अनुष्ठान के बाद खोल दिए गए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने की पीएम से बात, उठाया ऑक्सीजन संकट का मुद्दा

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कोविड–19 की स्थिति पर बात की, उन्होंने राज्य में ऑक्सीजन संकट का भी हवाला दिया और उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार जल्द ही जीवन की आपूर्ति यानी आक्सीजन की कमी को पूरा करेगी। ट्वीट करते हुए सीएम गहलोत ने लिखा, राजस्थान में कोविड की स्थिति पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा की और उन्हें कोविड की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और रोगियों की संख्या के आधार पर ऑक्सीजन की मांग की। पीएम ने इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने का आश्वासन दिया। रेल मंत्री पीयूष गोयल से भी चर्चा की थी। उम्मीद है कि केंद्र द्वारा राज्य के लिए ऑक्सीजन आवंटन जल्द ही बढ़ाया जाएगा। गहलोत ने यह भी कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी अनुरोध किया है कि वे खाली ऑक्सीजन टैंकर भेजने के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाएं लेते रहें। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य के भौगोलिक विस्तार को देखते हुए डीआरडीओ द्वारा स्थापित किए जाने वाले ऑक्सीजन संयंत्रों की संख्या को बढ़ाकर 15 किया जाए।

श्रीनगर में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र में आज तलाश एवं घेराबंदी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र खानमोह में आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया सूचना मिलने पर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर), जम्मू–कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने आज तड़के संयुक्त रूप से तलाश एवं घेराबंदी अभियान शुरू किया।

तौकते हुआ विनाशकारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। चक्रवाती तूफान तौकते गोवा में तबाही मचाने के बाद अब गुजरात की ओर मुड़ चुका है और मौसम विभाग के मुताबिक आज शाम तक इसके गुजरात तट तक पहुंचने की संभावना है। साथ ही 18 मई की सुबह तूफान पोरबंदर और भावनगर जिले के महुआ के बीच से गुजरेगा। तूफान को लेकर सरकार की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। मौसम विभाग पहले ही तूफान के और विनाशकारी रूप लेने का अनुमान जता चुका है। इसके लेकर कई राज्यों को अलर्ट पर रखा गया है और एनडीएमए, कोस्ट गार्ड समेत अन्य राहत दलों ने मोर्चा संभाल लिया है।

कोविड–19 का इलाज और आसान, पानी में घोलकर मरीजों की दी जाएगी दवा

रक्षा मंत्री ने 2डीजी की लॉन्च

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई जारी है। तमाम संकटों के बीच देश में कोरोना के खिलाफ कई वैक्सीनेशन का काम चल रहा है। अब इस जंग में एक और हथियार जुड़ गया है जिसका नाम है 2–डीजी दवा। इस दवा से कोरोना का इलाज अब और आसान हो जाएगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार ये दवा कोरोना मरीजों को पानी में घोलकर दी जाएगी। ष्ठक्रष्ठह्व द्वारा डेवलेप की गई दवाई 2–ष्ठत्र अब अस्पतालों में उपलब्ध होगी। डीआरडीओ द्वारा विकसित ये नई दवा 2–डीऑक्सी–डी–ग्लूकोज आज लॉन्च कर दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने दवा की पहली खेप जारी की है। दवा की लॉन्चिंग के मौके पर दिल्ली एम्स के डायरेक्टर डॉ रणदीप गुलेरिया को पहली खेप सौंपी गई। दवा की लॉन्चिंग के मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि इसके लिए मैं वैज्ञानिकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज का दिन सबसे ज्यादा सुखद अनुभूति का दिन है। कोविड से लड़ाई में डीआरडीओ ने अहम योगदान दिया है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कहा कि मैं सभी वैज्ञानिकों को अपनी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, कि ये दवा उम्मीद की एक नई किरण लेकर आया है। ये दवा देश के वैज्ञानिकों क्षमता को दर्शाता है। हम सभी को संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहने की जरूरत है। मैं डीआरडीओ के चेयरमैन जी सतीश रेड्डी का बहुत आभार व्यक्त करता हूं। सरकार के दावों के मुताबिक, यह दवा अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों की तेजी से रिकवरी में मदद करता है और बाहर से ऑक्सीजन देने पर निर्भरता को कम करता है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 8 मई को इस दवा के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दी थी। इस दवा को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के लैब इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज द्वारा विकसित किया गया है।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

2

कुशीनगर मंगलवार, 18 मई 2021

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए तैयारियां शुरू: योगी

नोएडा/मेरठ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आई है और सरकार ने इस महामारी की तीसरी लहर से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार 'ब्लैक फंगस' को लेकर काफी गंभीर है तथा इसके उपचार के लिए एक विशेष योजना बनाई गई है। गौतमबुद्धनगर पहुंचे आदित्यनाथ ने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद आशंका व्यक्त की जा रही है कि इस महामारी की तीसरी लहर आनी है। उन्होंने कहा कि बच्चों तथा महिलाओं को इस संक्रमण से ज्यादा खतरा बताया जा रहा और इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं तथा बच्चों के लिए समर्पित अस्पताल तैयार किये जा रहे हैं और 102 नम्बर की 2200 एम्बुलेंस को महिलाओं तथा बच्चों के उपचार के लिए समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ब्लैक फंगस' संक्रमण को लेकर प्रदेश सरकार ने जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है और इसके उपचार की पूरी तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि लोगों को बताया जा रहा है कि यह बीमारी ज्यादा स्टेरॉयड लेने से तथा मधुमेह का स्तर ज्यादा होने से होती है। मुख्यमंत्री कहा कि 'ब्लैक फंगस' के मामले भी सामने आ रहे हैं, ऐसे में गांव में भी निगरानी समिति काम कर रही है तथा एक समूह 'ब्लैक फंगस' को लेकर बनाया गया है। आदित्यनाथ ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस

के बढ़ते संक्रमण की सूचना के बाद जांच प्रक्रिया तेज की गई है और गांव गांव में कोविड–19 जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि घर में पृथक होकर उपचार करा रहे लोगों को चिकित्सा किट उपलब्ध कराई जा रही है तथा उनसे लगातार संपर्क करके उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली जा रही है। आदित्यनाथ ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर में ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाले तीन संयंत्र लगाए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में गौतमबुद्ध नगर ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण मुक्त होने की दर लगातार बढ़ रही है तथा संक्रमण दर में निरंतर गिरावट दर्ज हो रही है जो अप्रैल में 16.33 प्रतिशत से घटकर अब 4.8 फीसदी पर आ गई है। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश कोरोना वायरस की सर्वाधिक जांच करने वाला राज्य बन गया है जहां प्रतिदिन औसतन 2.5 लाख नमूनों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रदेश में अब तक तीन करोड़ लोगों को कोविड रोधी टीका मुफ्त लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1,080 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है तथा सभी जिलों में 72 घंटे से अधिक की रिजर्व ऑक्सीजन उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि ऑक्सीजन के सुचारू परिवहन के लिए क्रायोजेनिक टैंकर की व्यवस्था के लिए वैश्विक टेंडर जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि कोविड–19 से उत्पन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में रहने वाले गरीब लोगों को तीन माह तक हर महीने प्रत्येक सदस्य तीन किलोग्राम गेहूं तथा दो किलोग्राम चावल निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में दैनिक रूप से कार्य कर अपना जीविकोपार्जन करने वाले ठेला, खोमचा, रेहड़ी, खोखा, आदि लगाने वाले पटरी दुकानदारों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालक, पल्लेदार, नाविक,नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि को प्रतिमाह 1,000 रुपये का भरण–पोषण भत्ता प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने नोएडा में एनटीपीसी सभागार में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ रविवार को बैठक करते हुए कहा कि ऐसा संज्ञान में आ रहा कि कुछ एक निजी अस्पताल एवं निजी प्रयोगशालाएं महामारी के इस दौर में लूट के केंद्र बन चुके हैं और ऐसे अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की जांच कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान निर्देश दिया किजिले में निरूद्ध क्षेत्रों में सख्ती बरती जाए तथा कर्फ्यू को सख्ती से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने सेक्टर 6 में मीडिया कर्मियों के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण केंद्र का दौरा भी किया। उन्होंने सेक्टर 45 में बने कोरोना वायरस केयर सेंटर में भर्ती मरीजों से वहां जाकर बातचीत की तथा सुविधाओं की गहनता से पड़ताल की।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने पत्नी के गम में जान दी

बांदा, (यूएनएस)। तिंदवारी के पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में सुबह पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य नवाब सिंह उर्फ लल्लू (41) ने घर की छत में सीलिंग हुक में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई अवधेश सिंह का कहना है कि आठ वर्ष पूर्व पत्नी नवाब सिंह को छोड़कर कहीं चली गई थी, तभी से वह दुखी रहता था। नवाब ने दूसरी शादी भी नहीं की थी। पत्नी के आने का इंतजार करता रहा। काफी प्रयास भी किए गए, लेकिन वह वापस नहीं आई। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। सेमरी चौकी इंचार्ज हरिशरण सिंह ने बताया कि पत्नी के न आने से मृतक डिप्रेशन में था। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। वह खेतीबाड़ी करता था।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक चालक की मौत

बांदा, (यूएनएस)। सोमवार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक चालक चालक की मौत हो गई। पत्नी और एक अन्य घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अतर्रा क्षेत्र के अनथुवा गांव निवासी धरमा (35) रविवार शाम अपनी पत्नी रानी व अजीतपारा (बिसंडा) गांव निवासी बाबू के साथ बाइक पर सहेवा गांव जा रहा था। जमरेही रोड पर खुरहंड रेलवे क्रासिंग के पास ट्रैक्टर की टक्कर से तीनों बाइक सवार घायल हो गए। पुलिस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डाक्टरों ने धरमा को मृत घोषित कर दिया। रानी और बाबू अस्पताल में भर्ती हैं। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे।

शिक्षणेतर कर्मियों ने की वर्चुअल बैठक

बांदा, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेतर संघ प्रदेश कार्यसमिति की वर्चुअल बैठक में कई समस्याओं पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने संगठन को मजबूत करने, शासन में लंबित मांगों के शासनादेश जारी कराने, कर्मचारियों के उत्पीड़न, महंगाई भत्ता बहाली आदि मुद्दों पर विचार–विमर्श किया। कोरोना संक्रमित शिक्षणेतर कर्मियों के इलाज खर्च व महामारी से मौत पर अनुग्रह राशि देनेकी सरकार से मांग की। निर्णय लिया गया कि 20 मई से 31 मई तक सभी जनपदों में वर्चुअल ऑनलाइन बैठकें होंगी। 31 मई को सभी शिक्षणेतर कर्मचारी मोमबत्ती जलाकर कोरोना वायरस से मारे गए शिक्षक व कर्मचारियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पहली से 30 जून तक सभी स्कूलों के कर्मचारी अपनी मांगों का ज्ञापन सीएम कोडाक से भेजें। कहा कि किसी भी कर्मचारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर देवेंद्र पुंडीर, अरुण श्रीवास्तव, विपिन आर्य, मनोज गौतम, रोशन खां, कमरुद्दीन, धर्म सिंह, प्रद्युम्न अजीत गिरी, गंगा प्रसाद, भूपेंद्र सिंह, संजय द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

कोरोना कर्फ्यू से आबोहवा में सुधार

बांदा, (यूएनएस)। कोरोना की दूसरी लहर में लागू हुए कोरोना कर्फ्यू से चित्रकूटधाम मंडल के चारों जिलों बांदा, हमीरपुर, महोबा और चित्रकूट की आबोहवा में काफी सुधार हुआ है। पिछले वर्ष लॉकडाउन खत्म होने के बाद तेजी से एक्यूआई (एअर क्वालिटी इंडेक्स) में वृद्धि हुई थी। मंडल का एक्यूआई 160 से 180 के इर्दगिर्द पहुंच गया था। अब एक बार फिर कोरोना कर्फ्यू में वायु गुणवत्ता में सुधार के साथ सूचकांक 80 से 100 के आसपास आ गया है। हवा के स्तर में सुधार से चित्रकूटधाम मंडल ग्रीन जोन के नजदीक पहुंच गया है। कोरोना महामारी को काबू करने के लिए प्रदेश सरकार को सख्त पाबंदियां लागू करनी पड़ रही हैं। इन्हीं में कोरोना कर्फ्यू भी शामिल है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना जरूर करना पड़ रहा है, लेकिन पर्यावरण के लिए यह प्रतिबंध बेहद मुफीद साबित हुआ। साप्ताहिक कर्फ्यू और फिर लगातार कोरोना कर्फ्यू लागू होने से ट्रैफिक लोड कम हो गया। आम दिनों की तरह वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। हानिकारक गैसों में गिरावट से पर्यावरण पर अच्छा असर पड़ा है। इससे वायु गुणवत्ता बेहतर सुधार हुआ है। वायु गुणवत्ताध्मौसम संबंधी एक्यूवेदर वेबसाइट के मुताबिक, मंडल में चित्रकूट जनपद की हवा सबसे ज्यादा शुद्ध हुई। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 56 दर्शाया गया है। यह ग्रीन जोन के बेहद करीब है। बांदा और महोबा का गुणवत्ता सूचकांक 80–85 है। हमीरपुर जनपद का एक्यूआई 100 दर्ज है। ये तीनों जिले यलो (पीला) जोन में हैं। कोरोना कर्फ्यू से पूर्व चारों जिले बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा रेड (लाल) जोन में थे।

युवक लापता, नदी में कूदने की आशंका

उरई/जालौन, (यूएनएस)। आटा क्षेत्र के ग्राम कहटा निवासी एक युवक रविवार की देर शाम से लापता हो गया। खोजबीन में परिजनों को जानकारी मिली, कि उसके कपड़े बेतवा नदी के पुल पर रखे है। सूचना पाकर मौके पर परिजन व पुलिस पहुंच गई और नदी में युवक का तलाश शुरू कर दी। पर देर शाम तक उसका कुछ पता नहीं चला। आटा थाना क्षेत्र के ग्राम कहटा निवासी शिवराम (38) जेब खर्च के लिए पत्नी जगवती से पैसे मांग रहा था। जब उसने मना किया तो वह घर से निकल गया। जब वह रात तक घर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पता चला कि उसके कपड़े कहटा व चंडौत के बीच से निकली बेतवा नदी के पुल पर रखे हुए थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसने बेतवा में छलांग लगा दी। परिजनों की सूचना पर पुलिस भी पुल पर पहुंच गई। पुलिस ने चंडौत और आटा गोताखोरों के माध्यम से नदी में खोजबीन की। पर कुछ पता नहीं चल सका। पिता के अनुसार वह शराब का आदि था।

बांदा में कोरोना से चार की मौत, 45 संक्रमित

बांदा, (यूएनएस)। चित्रकूटधाम मंडल के बांदा में सोमवार को फिर चार लोगों की मौत से हड़कंप मच गया। मरने वालों में तीन ग्रामीण क्षेत्रों के कोरोना संक्रमित मरीज थे। अब यहां मृतकों की संख्या 137 पहुंच गई है। उधर, चित्रकूट में सोमवार राहत लेकर आया, यहां सिर्फ आठ कोरोना के केस मिले। वहीं बांदा में 131 और चित्रकूट में 132 लोगों ने कोरोना से जंग जीतकर अपने–अपने घरों को चले गए। बांदा में सोमवार को महिला समेत चार और संक्रमितों की मौत हो गई, जबकि 45 नए कोरोना संक्रमित मिले। इनमें सबसे ज्यादा 31 पॉजिटिव मरीज ग्रामीण क्षेत्र में मिले। पंचायत चुनाव के बाद कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर गांवों तक पहुंच गई है। अब

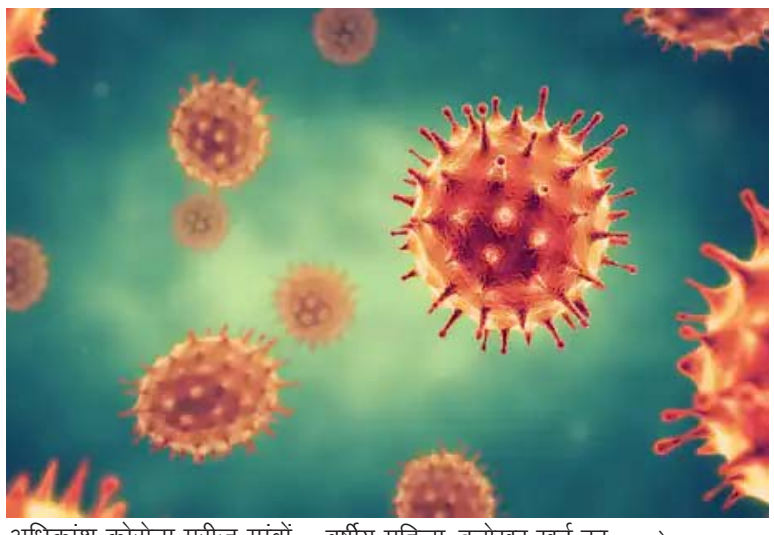

अधिकांश कोरोना मरीज गांवों से निकल रहे हैं। रविवार को मेडिकल कालेज में दम तोड़ने वाले संक्रमितों में तीन ग्रामीण क्षेत्र के हैं। इनमें बबेरू की 40 वर्षीय महिला, बड़ोखर खुर्द का 45 वर्षीय व बिसंडा का 85 वर्षीय वृद्ध शामिल हैं। एक मृतक 63 वर्षीय वृद्ध शहरी क्षेत्र का है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी कोरोना बुलेटिन के मुताबिक, 45 नए संक्रमित मरीजों में 22 महिलाएं और 23 पुरुष हैं। शहर में फूटाकुआं, मर्दन नाका, पुलिस लाइन, जरैली कोठी, जेल, मेडिकल कालेज परिसर और ग्रामीण क्षेत्र में परसहर, नरैनी, बबेरू, महुआ, अतर्रा, किंधौली, जसपुरा, बिलगांव, जमालपुर आदि में पॉजिटिव मरीज पाए गए। पहली अप्रैल से अब तक कुल संक्रमितों का आंकड़ा 6802 पहुंच गया। सीएमओ डा. एनडी शर्मा ने बताया कि सोमवार को 131 मरीज स्वस्थ हुए। 11 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। अब तक 5814 संक्रमित ठीक हो चुके हैं। आरटीपीसीआर टेस्ट 34,350, ट्रूनॉट से 830 और एंटीजेन से 59,006 टेस्ट हो चुके हैं। उधर, चित्रकूट जिले में सोमवार को फिर राहत की खबर आई। यहां आठ नए कोरोना संक्रमित मिले। इसके अलावा पहले से पॉजिटिव मरीजों में 132 स्वस्थ होकर घर लौट गए। जिले में एक्टिव केस 582 हैं। जिले में स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिले के मानिकपुर, मऊ, रामनगर, राजापुर, पहाड़ी, सरैंया, भरतकूप, शिवरामपुर व सीतापुर क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों में कोरोना संक्रमितों की जांच का काम जारी रहा। सीएमओ डा. विनोद कुमार ने बताया कि सभी जगह मिलाकर कुल 1155 लोगों की जांच हुई है जिसमें 8 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं।

बोझी गांव को सेनेटाइज कर लोगों को कोविड–19 के प्रति किया जागरुक

प्रतापगढ़।जिलाधिकारी प्रतापगढ़ नितिन बंसल के निर्देशानुसार पंचायती राज विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पर्यावरण सेना द्वारा कोरोना महामारी से बचाव और गांव को स्वच्छ बनाकर स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से आज मान्धाता ब्लॉक के बोझी गांव में सेनेटाइजेशन के माध्यम से लोगों कोविड–19 के बारे में जागरूक करते हुए मास्क बांटे गए और ग्रामीणों को सामाजिक दूरी बनाते हुए मास्क के प्रयोग हेतु जागरुक किया गया। पर्यावरण सेना द्वारा ग्रामीणों को 18 वर्ष से अधिक के लोगों को कोविड की वैक्सीन लगवाने हेतु प्रेरित किया गया।इसके साथ ही सामाजिक दूरी बनाकर और घर में ही रहने के लिए प्रेरित किया गया। बहुत आवश्यक होने मास्क लगाकर बाहर जाने के लिए जागरुक किया गया। अभियान का नेतृत्व कर रहे पर्यावरण सेना प्रमुख

अजय क्रांतिकारी ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर पहले से ज्यादा खतरनाक है।किन्तु कोरोना से घबराने की नहीं बल्कि मास्क का प्रयोग करते हुए उससे लडने की जरूरत है।अजय क्रांतिकारी ने लोगों को समय समय पर हाथ धोते हुए अपने व्यवहार में स्वच्छता अपनाते हुए बीमारियों को भगाने का आह्वाहन किया।उन्होंने कहा कि पर्यावरण सेना पूरे जनपद में स्वच्छ गांव–स्वस्थ गांव अभियान चलाकर लोगों को कोरोना सहित अन्य बीमारियों से बचते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरुक किया जाएगा।उन्होंने सभी से पौधारोपण की तैयारी कर बरसात के मौसम में पेड़ लगाने हेतु जागरुक किया। इस मौके पर गांव की आशा रीना यादव, उषा देवी, नमन कुमार तिवारी, मनीषा यादव,विजय प्रकाश और अशोक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने आज इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर व जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग ,आईएएस ,अधिकारी प्रमुख सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आज इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर, तथा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। साथ ही जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल , अपर जिलाधिकारी शत्रोहन वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 अरविंद कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ कोविड–19 से बचाव संबंधी किए जा रहे कार्यों व निगरानी समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। तथा उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि कोविड–19 से जो भी व्यक्ति संक्रमित है या होम आइसोलेशन में हैं उनका लगातार टेलिफोनिक कॉल करके आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें जिला हॉस्पिटल मे, लेवल 2 चिकित्सालय में एडमिट कराते हुए उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

योगी सरकार बनी मूकदर्शक,किसी बड़े हादसे का कर रही इंतजार

– मामला कुसमी रेलवे क्रॉसिंग भुपियामऊ प्रतापगढ़ का,आए दिन किसी न किसी बड़ी समस्याओं से जूझते हैं राहगीर

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। प्रशासनिक अनदेखी के चलते प्रयागराज अयोध्या राजमार्ग नगर कोतवाली क्षेत्र भुपियामऊ चौकी अंतर्गत कुसमी रेलवे क्रॉसिंग पर दोनों तरफ कदम कदम पर तालाब के स्वरूप बने गड्ढे आए दिन दुर्घटना का दावत दे रहे हैं!जिससे आए दिन यहां लोगों के साथ दुर्घटनाएं भी घटित हो रही हैं।वाहनों का चलना दुश्वार हो गया है।कई महीनों से बड़े–बड़े गड्ढे नजर आ रहे हैं।बड़े छोटे सभी वाहनों के चालक व राहगीर मुसीबतों का सामना कर रहे हैं।आलम यह है कि यह लापरवाही कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।लोगों का कहना है कि इतने बड़े–बड़े गड्ढे हैं कि भारी वाहनों के पहिए इसमें समा जाते हैं और आए दिन वाहन खराब हो जाते हैं जिससे लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है।सबसे ज्यादा दिक्कत तो बरसात में होगी राहगीरों को।बारिश के कारण गड्ढों से गुजरते समय लोग हादसे का शिकार हो सकते हैं।इससे बस,ट्रक,ऑटो आदि वाहन गड्ढे में फंस जा रहे हैं!यदि समय रहते महकमे के जिम्मेदार अधिकारी नहीं चेते तो किसी बड़े हादसे की घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।लेकिन जिले के एक से बढ़कर एक दिग्गज नेताओ का भी इसी रेलवे क्रॉसिंग से लगा रहता है आना जाना! फिर भी रोड की स्थिति ना देखते हुए आगे की ओर आंख बंद कर गुजर जाते है।जनप्रतिनिधि से लेकर विभाग के अधिकारियों तक इस ओर ध्यान देने की नही है फुर्सत।अभी तक कई घटनाएं घट चुकी है जिस पर प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।किसी बड़ी घटना के इंतजार में है प्रशासन ।किसी भी समय किसी भी प्रकार की बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

यदुवंशी महासभा प्रतापगढ़ उप्र करेगी जीते हुए पंचायत चुनाव के जन प्रतिनिधियों का सम्मान

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। यदुवंशी महासभा प्रतापगढ़ ने कोरोना महामारी को देखते हुए एक आन लाइन मीटिंग का आयोजन किया जिसमें यह निर्णय लिया गया कि पंचायत चुनाव में विजय हुए जन प्रतिनिधियों का किया जाएगा सम्मान। यदुवंशिय यहां सभा की बैठक में संचालन कर रहे विकास यादव संगठन के विषय पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि एक नई सोच और एक नए विषय को लेकर आज की बैठक में आप सब को बताना है यदुवंशी महासभा प्रतापगढ़ जिले में जो भी नव निर्वाचित जन प्रतिनिधि ग्राम प्रधान , क्षेत्र पंचायत (बी. डी. सी.) एव जिला पंचायत हुए उनको सम्मानित करेगी । जिसमे सभी जन प्रतिनधियों का एक लेख सामाजिक , राजनीति, शिक्षा के साथ साथ उनकी एक फोटो नाम, पता, और पद आना है इसके साथ हमारे समाज मे उच्च अधिकारियों का एक लेख शिक्षा पर जिसमे उनका नाम पता पद और फोटो इसके साथ हमारे आप के समाज के वीच के जो भी छोटे छोटे बच्चे कहानियाँ कविताये लिखते है उनकी एक फोटो नाम पता इसी तरह जो भी हमारे समाज के विद्यालयों के प्रबंधक है उन विद्यालय का नाम पता और प्रवन्धक के लेख शिक्षा पर आना है इन सब को मिलाकर किताब (डायरी) बनेगी । इसी पर सब अपने अपने विचार दिए । बैठक में मुख्य अथिति रहे लल्लन यादव असिस्टेंट कमिश्नर ने समाज के विकाश के लिए शिक्षा को बहुत ही आवश्यक बताया और कहा कि कोई भी समाज परिवार अगर आगे बढ़ा है तो शिक्षा से ही बड़ा है इसके अलावा दूसरा रास्ता नही अगर कोई दूसरे रास्ते से नाम कमाया है तो वो कुछ दिनों के लिए हम अपने समाज को शिक्षा के माध्यम से ही आगे ले जा सकते है इस पर समाज व संगठन को बहुत जोर देना है। बैठक में विकाश यादव, समाज सेवी प्रियांशू यादव, हिमांशु उर्फ चुर्री यादव , आशीष यादव, संदीप कुमार यादव , विपिन यादव, प्रदीप यादव, चन्द्र कान्त यादव एडवोकेटध समाजसेवी आदि उपस्थित रहे ।

अल्ट्रासाउंण्ड एवं पैथोलॉजी सेंटर संचालकों की मनमानी

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। फरेंन्दा बनकटी सामुदायिक स्वास्थ क्षेत्र के अंन्तर्गत सेठ आनंन्दराम जयपुरिया इंटर कॉलेज के सामने कृष्णा डायग्नोस्टिक एंव पैथोलॉजी सेंटर अवैध रूप से संचालित हो रहा है जिसमें आए दिनों भोले भाले लोगों को ठगने का कार्य किया जा रहा है इनअवैध पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक के उपर शासन प्रशासन का चाबुक कब चलेगा सबसे बड़ी बात यह है कि फरेंन्दा एस डी एम आफिस से महज 500 मीटर की दूरी पर इतना बडाघ डायग्नोस्टिक सेंटर एवं पैथोलॉजी सेंटर अवैध रुप से चल रहा है और अधिकारियों को भनक तक नहीं लग रही है इससे यह प्रतीत होता है कि कहीं ना कहीं अधिकारियों के साठगांठ से तो नहीं चलता है जिसमें आये दिन भोले भाले जनता से खून जाँच के नाम पर अच्छी खासी ठगी की जाती है।

और अल्ट्रासाउंड के नाम पर लोग उसे 500 सौ और 700 सौ रूपया वसूला जा रहा है एक तरफ जहां पूरा देश कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जूझ रहा है तो वहीं पर इन अवैध पैथोलॉजी एवं अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक चांदी काट रहे हैं जब सी एसी अधीक्षक अंग्रेज सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा यह मामला हमारे संज्ञान में है अगर शिकायत मिली तो कार्यवाही जरूर होगी सूत्रो से मिली जानकारी के आनुसार फरेंन्दा में जितने भी हैं हास्पिटल है इन अवैध कृष्णा डायग्नोस्टिक एवं पैथोलॉजी सेंटर संचालक से लोगो का सेटिंग रहता है कि आप हमारे यहां मरीजों को भेजेंगे तो आपको कमीशन देंगे इस कमीशन के चक्कर में जो भोली–भाली जनता है इन लोगों के चक्कर में आकर ठगी का शिकार होती है फरेंदा में इतना बड़ा खेल हो रहा है इस पर स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन का चाबुक कब चलेगा।

भारत के खिलाफ WTC फाइनल खेलने लंदन पहुंची न्यूजीलैंड की टीम

लंदन। न्यूजीलैंड के अधिकतर खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला और भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेलने के लिये यहां पहुंच गये हैं। खिलाड़ी आकलैंड से सिंगापुर होते हुए रविवार की शाम को यहां पहुंचे और इसके बाद साउथम्पटन के एजिस बाउल चले गये। इस दौरे के पहले दो सप्ताह वे साउथम्पटन में ही रहेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला का पहला मैच दो जून को लंदन में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 10 जून से बर्मिंघम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल 18 जून से साउथम्पटन में शुरू होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''न्यूजीलैंड की टीम कड़े स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन कर रही है जिसमें रवानगी से पहले टीकाकरण और कोविड परीक्षण के अलावा मास्क और 'सेनेटाइजर' से युक्त चिकित्सा किट शामिल है।'' खिलाड़ी पहले तीन दिन होटल में पृथकवास पर रहेंगे जिसके बाद वे चौथे से छठे दिन के बीच छह खिलाड़ियों के समूह में अभ्यास कर सकते हैं लेकिन इसके लिये उनका कोविड परीक्षण नेगेटिव आना चाहिए। टीम के बीच आपस में ही 26 मई से 28 मई के बीच तीन दिवसीय मैच खेला जाएगा जिसमें छह स्थानीय गेंदबाज उनकी मदद करेंगे। ये छह गेंदबाज पहले ही पृथकवास पर रहेंगे। टिम साउदी, बी जे वाटलिंग, रोस टेलर और नील वैगनर सोमवार को आकलैंड से रवाना होकर साउथम्पटन में टीम से जुड़ेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के निलंबित होने के बाद मालदीव में रह रहे कप्तान केन विलियमसन, काइल जेमीसन, मिशेल सेंटनर, टीम फिजियो टॉमी सिमसेक और ट्रेनर क्रिस डोनाल्डसन सोमवार को पहुंचेंगे। विज्ञप्ति के अनुसार डरहम की तरफ से खेल रहे बल्लेबाज विल यंग भी सोमवार को टीम से जुड़कर एजिस बाउल में पृथकवास पर रहेंगे। ट्रेंट बोल्ट ने रविवार को अपना पृथकवास पूरा कर लिया है और वह माउंट मानगुनाई में कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताकर बाद में ब्रिटेन के लिये रवाना होंगे।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर और बीसीसीआई रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का निधन

सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का कोविड–19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने रविवार को यह जानकारी दी।

राजकोट। सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का कोविड–19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने रविवार को यह जानकारी दी। जडेजा 66 साल के थे। एससीए ने बयान में कहा, ''एससीए में सभी राजेंद्रसिंह जडेजा के असामयिक निधन से दुखी हैं जो सौराष्ट्र के अतीत के सबसे शानदार क्रिकेटरों में से एक थे। कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए आज तड़के उनका निधन हुआ।'' जडेजा दायें हाथ के उम्दा तेज गेंदबाज होने के अलावा अच्छे आलराउंडर भी थे। उन्होंने 50 प्रथम श्रेणी और 11 लिस्ट ए मैचों में क्रमशरू 134 और 14 विकेट चटकाए। उन्होंने इन दोनों प्रारूपों में क्रमशरू 1,536 और 104 रन भी बनाए। जडेजा 53 प्रथम श्रेणी, 18 लिस्ट ए और 34 टी20 मैचों में बीसीसीआई के आधिकारिक रैफरी भी रहे। वह सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के चयनकर्ता, कोच और टीम मैनेजर भी रहे। बीसीसीआई और एससीए के पूर्व सचिव निरंजन शाह ने कहा, ''राजेंद्रसिंह जडेजा स्तर, शैली, नैतिकता और शानदार क्रिकेट क्षमता वाले व्यक्ति थे। क्रिकेट के प्रति उनका समर्पण और योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।'' एससीए अध्यक्ष जयदेव शाह ने भी उनके निधन पर शोक जताया, ''यह विश्व क्रिकेट की बड़ी हानि है। राजेंद्र सर जिन लोगों से मैं मिला उनमें सबसे शानदार व्यक्तियों में से थे। मैं भाग्यशाली रहा कि उनके हमारे मुख्य कोच, मैनेजर और मार्गदर्शक रहते मैंने कई मैच खेले।

मालदीव में 10 दिनों से फंसे 38 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पहुंचे स्वदेश

मालदीव में रुकने के बाद आईपीएल में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश पहुंच गए है।ऑस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे।

मेलबर्न। पैट कमिन्स और स्टीव स्मिथ सहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मालदीव में कुछ दिन बिताने के बाद सोमवार को सिडनी पहुंच गये। भारत में कोविड महामारी की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने वहां से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण आईपीएल स्थगित होने के लगभग दो सप्ताह बाद आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्वदेश लौट पाये। ऑस्ट्रेलियाई दल में खिलाड़ियों, अधिकारियों और कमेंटेटरों सहित कुल 38 सदस्य शामिल थे जो 10 दिन मालदीव में बिताने के बाद आज सुबह सिडनी हवाई अड्डे पर पहुंचे। आईपीएल को विभिन्न टीमों में कोविड–19 के मामले पाये जाने के बाद पांच मई को स्थगित कर दिया गया था। आस्ट्रेलिया ने कोविड की दूसरी लहर से जूझ रहे भारत से उड़ानों पर रोक लगा रखी थी जिसके कारण उसके क्रिकेटर सीधे स्वदेश नहीं लौट पाये थे। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अब सिडनी में दो सप्ताह के अनिवार्य पृथकवास पर रहना होगा। राष्ट्रीय प्रसारक एबीसी के अनुसार एयर सेशेल्स की उड़ान से यहां पहुंचने वालों में स्मिथ, कमिन्स, बल्लेबाज डेविड वार्नर, दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग आदि शामिल थे। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हस्सी भी शुक्रवार को कोविड–19 की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद रविवार को दोहा के रास्ते सिडनी पहुंच गये थे।

स्टेट बैंक अगले महीने 235 करोड़ रुपये वसूली के तीन एनपीए खातों को बेचेगा

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अगले महीने फंसे कर्ज वाले तीन खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी) अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों को बेचेगा। इन खातों में 235 करोड़ रुपये का बकाया है। एसबीआई ने कहा है कि नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की वित्तीय संपत्तियों की बिक्री की नीति के तहत बैंक ने हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स लिमिटेड, खरे एण्ड तारकुंडे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. और एलीज इंटरनेशनल लिमिटेड को 235.32 करोड़ रुपये की वसूली के वास्ते बिक्री के लिये पेश किया है। हैवी मेटल पर बैंक का 116.91 करोड़ रुपये का बकाया है, खरे एण्ड तारकुंडे पर 99.84 करोड़ रुपये और एलीज इंटरनेशनल पर 18.57 करोड़ रुपये का बकाया है। बैंक ने फंसे कर्ज वाले इन खातों (एनपीए खातों) की बिक्री के लिये क्रमशरू 27.50 करोड़ रुपये, 15 करोड़ रुपये और आठ करोड़ रुपये का आरक्षित मूल्य रखा है। बैंक के बिक्री नोटिस के मुताबिक हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स और खरे एण्ड तारकुंडे के एनपीए की बिक्री के लिये ई– नीलामी सात जून को होगी जबकि एलीज इंटरनेशनल के लिये आठ जून को आयोजित की जायेगी। एसबीआई ने कहा है कि इच्छुक संपत्ति पुनर्गठन कंपनियां, बैंक, एनबीएफसी, वित्त संस्थान रुचि पत्र सौंपने और बैंक के साथ गैर– खुलासा समझौता करने के फौरन बाद इन संपत्तियों को लेकर जांच पड़ताल कर सकतीं हैं। अहमदाबाद स्थित हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स स्टेनलेस स्टील की ट्यूब और पाइप बनाती है जबकि नागपुर स्थित खरे एण्ड तारकुंडे जमीन जायदाद का कारोबार करती है। वहीं कोलकाता की कंपनी एलीज इंटरनेशनल कपड़ा बनाती है।

केंद्र ने राज्यों से राशन की दुकानें सभी दिन, देर तक खोलने की अनुमति देने को कहा

नयी दिल्ली। केंद्र ने रविवार को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से महीने के सभी दिन और देर तक राशन की दुकानें खुली रखने का निर्देश देने को कहा। इसका मकसद गरीबों को समय पर और सुरक्षित तरीके से सब्सिडी युक्त तथा मुफ्त अनाज का वितरण सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में केंद्रीय खाद्य

मंत्रालय ने परामर्श जारी किया है। मंत्रालय को यह जानकारी मिली थी कि कुछ राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशो में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' के करण राशन की दुकानों पर अनाज वितरण के समय में कमी की गयी है। इससे लाभार्थियों को अनाज प्राप्त करने के लिये पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है। मंत्रालय ने बयान में कहा, ''कुछ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लॉकडाउन लगाया गया है, इसके कारण उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) या राशन की दुकानों के कामकाज के घंटों में कमी आ सकती है। इसको देखते हुए खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने 15 मई, 2021 को एक परामर्श जारी किया है। परामर्श में राशन की दुकानों को महीने के सभी दिन खोले जाने की अनुमति देने को कहा गया है।'' उल्लेखनीय है कि केंद्र राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो खाद्यान्न एक से तीन रुपये किलो की दर से 80 करोड़ से अधिक गरीब परिवार को उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत दो महीने...मई और जून...के लिये उन्हीं लाभार्थियों को मुफ्त में प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज दिया जा रहा है ताकि कोविड–19 महामारी की दूसरी लहर और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' और अन्य पाबंदियों का प्रतिकूल असर गरीबों पर नहीं पड़े। परामर्श में सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को महीने के सभी दिन उचित मूल्य की दुकानें खुली रखने और लाभार्थियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न का वितरण पूरे दिन क्रमबद्ध तरीके से करने को कहा गया है। साथ ही इस दौरान समुचित दूरी और केविड नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि उचित मूल्य की दुकानों को नियमित बाजार के लिये प्रतिबंधित घंटों से छूट दी जाए। बयान के अनुसार सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे लाभार्थियों को बिना किसी कठिनाई के उचित दर दुकानों पर खाद्यान्न का समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं और इस संबंध में किए गए उपायों का व्यापक प्रचार भी करें।

संक्षिप्त

श्रीलंका की टीम तीन वनडे मैच खेलने के लिये बांग्लादेश पहुंची

ढाका। नघ्व नियुक्त कप्तान कुसाल परेरा की अगुवाई में श्रीलंका की क्रिकेट टीम तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलने के लिये यहां पहुंच गयी है। श्रीलंकाई टीम होटल में तीन दिन तक कड़े पृथकवास पर रहेगी और इस बीच उसके कोविडकृ19 के लिये दो परीक्षण किये जाएंगे। इसके बाद वे चौथे दिन से आपस में ही अभ्यास कर सकते हैं। श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला वनडे 23 मई को खेला जाएगा। इसके बाद 25 और 28 मई को दूसरा और तीसरा वनडे होगा। तीनों मैच शेरे बांग्ला स्टेडियम मीरपुर में खेले जाएंगे। पिछले सप्ताह श्रीलंका ने अपनी टीम में कई बदलाव करते हुए दिमुथ करुणारत्ने की जगह उनके सलामी जोड़ीदार कुसाल परेरा को कप्तान नियुक्त किया तथा एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चंदीमल जैसे खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर कर दिया। कुसाल मेंडिस को उप कप्तान बनाया गया है।

भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिये विकेट पर दानेदार मिट्टी डालकर प्रेक्टिस कर रहे हैं डेवोन कोंवे

आकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कोंवे अगले महीने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल में रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों का सामना करने के लिये विकेट पर दानेदार मिट्टी (किटी लिटर) डालकर अभ्यास कर रहे है। 29 वर्ष के कोंवे को दो जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल के लिये न्यूजीलैंड की 20 सदस्यीय टीम में रखा गया है। साउथम्पटन में 18 जून से होने वाले फाइनल से पहले 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जायेगा। कोंवे ने कहा कि वह गेंदबाज के पैरों के निशान से कठोर हो जाने वाली पिच पर पड़ने वाली स्पिन गेंदबाजी के अभ्यास के लिये विकेटों पर दानेदार मिट्टी डाल रहे हैं। उन्होंने कहा ,''यह कठोर होता है लेकिन अच्छा अभ्यास मिल रहा है। स्पिनरों का सामना करने के लिये रणनीति बनाना जरूरी था और उसी तरीके से अभ्यास भी।

फिर बढ़ी तेल की कीमतें, दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 92.58 और डीजल 83.22 रुपए

नयी दिल्ली। पेट्रोल–डीजल के दाम रविवार को एक बार फिर बढ़कर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल 24 पैसे तक और डीजल 29 पैसे तक महंगा हुआ। मुंबई में पेट्रोल 99 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गया है जबकि डीजल पहली बार 90 रुपये के पार निकल गया। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 24 पैसे बढ़कर 92.58 रुपये और डीजल की कीमत 27 पैसे बढ़कर 83.22 रुपये प्रति लीटर हो गई। दिल्ली में इस महीने पेट्रोल 2.18 रुपये और डीजल 2.49 रुपये महंगा हो चुका है। मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल 23–23 पैसे महंगा हुआ। एक लीटर पेट्रोल की कीमत मुंबई में 98.88 रुपये और कोलकाता में 92.67 रुपये रही। चेन्नई में यह 22 पैसे महंगा होकर 94.31 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। डीजल की कीमत मुंबई में 29 पैसे बढ़कर 90.40 रुपये, चेन्नई में 26 पैसे बढ़कर 88.07 रुपये और कोलकाता में 27 पैसे बढ़कर 86.06 रुपये प्रति लीटर हो गई। चारों महानगरों में दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम लगातार नयी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश में अब 6,000 रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई–फाई उपलब्ध

नयी दिल्ली। झारखंड का हजारीबाग 6000 वां स्टेशन बन गया है जहां रेलवे ने मुफ्त वाई–फाई सेवा शनिवार को शुरू की। रेलवे ने सबसे पहले 2016 में मुंबई रेलवे स्टेशन पर वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराई थी और इसके बाद पश्चिम बंगाल में मेदिनीपुर 5,000 वां स्टेशन था जहां इसकी शुरुआत की गयी। रेलवे ने रविवार को बताया कि 15 मई को ओडिशा के अंगुल जिले के जरपदा स्टेशन पर भी यह सुविधा शुरू की गयी। रेलवे ने कहा, ''रेलवे स्टेशनों पर वाई–फाई सुविधा भारत सरकार के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रमों के लक्ष्यों को पूरा करती है। इससे ग्रामीण और शहरी नागरिकों के बीच डिजिटल खाई खत्म होगी और ग्रामीण इलाकों की भी डिजिटल स्तर पर मौजूदगी बढ़ेगी और प्रयोक्ताओं को अच्छा अनुभव मिलेगा। रेलवे ने बताया, ''भारतीय रेलवे अब 6000 स्टेशनों पर वाई–फाई सुविधा मुहैया करा रहा है।

कोल इंडिया की इकाई सीसीएल के 47 कर्मचारियों की कोरोना संक्रमण के कारण मौत

रांची। देश के बिजली संयंत्रों और अन्य परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति कर रही सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. (सीसीएल) के 47 कर्मचारियों का कोरोना संक्रमण के कारण निधन हो गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह बताया। कोल इंडिया की झारखंड स्थित अनुषंगी इकाई ने कहा कि कई अन्य कर्मचारी तथा उनके परिजन अभी इस संक्रमण से जूझ रहे हैं। सीसीएल के अधिकारी के अनुसार, ''सेंट्रल कोलफील्ड्स लि. की खनन गतिविधियां लगातार चल रही हैं। पर कोविड–19 महामारी के कारण कंपनी के 47 कर्मचारियों ने देश की सेवा करते हुए अपनी जान गंवा दी।'' महारत्न कोयला कंपनी ने ऑक्सीजन की सुविधा के साथ आईसीयू (सघन चिकित्सा कक्षा), पृथक वार्ड और कोविड मरीजों के देखभाल के लिये करीब 2,000 बिस्तरों की सुविधाएं की हैं। इसमें ऑक्सीजन युक्त बिस्तरों की संख्या 750 से अधिक है जबकि आईसीयू बिस्तरों की संख्या करीब 70 है। अधिकारी के अनुसार, ''सरकार द्वारा समय–समय पर कोविड–19 महामारी से बचाव के लिये आचार–व्यवहार के बारे में जारी दिशानिर्देशों के पालन के बावजूद कई कार्यकारी और गैर–कार्यकारी कर्मचारियों का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हुआ है।

सम्पादकीय.....

कोरोना से जंग में जागरूकता जरूरी

कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. वातावरण खौफनाक व दर्दनाक है. सामाजिक ताना बाना पूरी तरह से भयाक्रांत होकर अपने दायित्वों से विमुख होता जा रहा है. नदियों में तैरती लाशें इसका चिंताजनक उदाहरण हैं. सामाजिक संगठन के साथ संरचना व्यक्तिगत मूल्यों और परंपरागत संस्कारों को अक्षुण्ण बनाये रखने में असमर्थ होती दिख रही है. ऐसे में इन शक्तियों द्वारा दृढ़ता से कोरोना की रोकथाम हेतु जागरूकता ही एकमात्र विकल्प है. ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संसाधन का घोर अभाव है, वहां इनकी भूमिका सर्वोपरि सिद्ध हो सकती है. जिस परिस्थिति का सामना देश कर रहा है, उसमें हमें यह समझना होगा कि यह आपदा कुछ अलग किस्म की है. स्वतंत्र भारत ने कई प्रकार की आपदाएं झेली है– भूकंप, बाढ़, सूखा, छोटी–मोटी महामारी, आंधी, सुनामी आदि. वे आपदाएं सीमित समय के लिए थीं, लेकिन वर्तमान आपदा लंबी चलेगी. इसकी प्रकृति अलग है. इसलिए हमें एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका में आगे आना चाहिए और इस आपदा में अपने नेतृत्व पर भरोसा करना चाहिए. अद्यतन आंकड़ों के अनुसार इस महामारी से देश में प्रति दिन लगभग चार हजार लोगों की मौत हो रही है. अब तक जान गंवाने वालों की संख्या ढ़ाई लाख को पार कर चुकी है. प्रति दिन लाखों लोग संक्रमित हो रहे हैं. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े में बताया गया है कि अब तक दो करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं. इस आपदा में सरकारी प्रबंधन के तौर पर बहुत सारी अनियमितताएं देखने को मिलीं, लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि लाख आलोचनाओं के बाद भी अंततः सरकार के द्वारा खड़े किये गये तंत्र ने ही मानवीय मूल्य और जनता के प्रति दायित्व का परिचय दिया है. जिस प्रकार गैर सरकारी व निजी अस्पतालों ने अपराधिक, गैर कानूनी कृत्य कर लोगों को परेशान किया, वैसे में अगर सरकारी तंत्र नहीं होता, तो काली पूंजी एवं बैंक के लोन से बने निजी अस्पताल पैसे के लालच में लोगों की लाशों तक की बोलियां लगाते और शरीर के अंग गैर–कानूनी तरीके से बाजार में बेच देते. स्वार्थी तत्व आपदा को अवसर के रूप में देखते हैं. इस संदर्भ में महात्मा गांधी ने कहा था कि 'कुदरत सबका पेट भर सकती है, पर किसी एक हवस नही.' सर्वोदय विचारक दादा धर्माधिकारी कहते हैं, वर्तमान युग में तख्त, तिजोरी और तलवार लोगों की प्रतिष्ठा का मापदंड बन गया है. सरकार को कोसने के साथ ही क्या हम ऐसी सामाजिक शक्ति खड़ी कर सकते हैं, जो नरपिशाच बन गये स्वार्थी तत्वों का सामाजिक बहिष्कार करे? इस संकट काल में कुछ जिम्मेदार राजनेता लोगों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे नेता न तो समाज के लिए हितकर हैं और न ही देश के लिए. विप्लव आप किसके खिलाफ करेंगे, जो आपकी सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में लगे हैं, या फिर सरकार के खिलाफ? वर्तमान स्थिति में यह और खतरनाक साबित होगा. संकट के इस क्षण में जिम्मेदार राजनेताओं को संयम रखना चाहिए और भड़काऊ बयान से बचना चाहिए. संकट की इस घड़ी में समाज के प्रबुद्ध वर्ग को धैर्य से काम लेने की जरूरत है. कोरोना काल में दो–तीन संगठनों ने बेहद सकारात्मक ढंग से अपने को प्रस्तुत किया है. इस दौर में कुछ धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने बढ़िया पहल की है, जो सराहनीय है, लेकिन नाकाफी है. हमारे देश में लाखों की संख्या में गैर–सरकारी संगठन, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, जातीय न्यास पंजीकृत हैं.

आज का राशिफल

मेष :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति हेतु मन केन्द्रित होगा। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

बृषभ :– नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति होगी। सुन्दर भावनात्मक अभिव्यक्ति संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन :– मांगलिक प्रयासों में तिब्रता आएगी। ग्रहो की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। किसी नए सकारात्मक दिशा में सक्रीयता आपको उर्जावान बनाएगी।

कर्क :– सुदूर यात्रा के योग बन रहें है। समस्याओ के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नए संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाईयां दूर होंगी। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव।

सिंह :– कार्य क्षेत्र में अनवरत् ब्यस्तता रहेगी। जीविका में व्यस्तता बेगी। महत्वपूर्ण कायां के प्रति आलस्य न करें। आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी आपका हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित कर रहा है अत इसे सुधारें।

कन्या :– आपके जीवन में अड.चने बार आ खड.ी होती है। लेकिन आप उउनका बखूबी से से सामना करने की भरपूर क्षमता रखते है। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

तुला :– किसी की कटुवाणी मन को दुखित कर सकता है। अत्यधिक कायरे का बोझ आपके अकेली जान पर पड़ सकता है। भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक है।

वृश्चिक :– सुन्दर अभिलाषा मन मे प्रसन्नता लाएगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच सफलता के आसार बढ़ेगी। दूसरो की आलोचना करने से पूर्व स्वयं का आकलन करें।

धनु :– बहुत दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शारिवारिक दायित्वों की पूर्ति एवं अनावश्यक नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। सफलता के आसार बढ़ेगी।

मकर :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होग। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विभागीय परिवर्तन से थोड़े दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, सचेत होकर काम करें।

कुंभ :– समय से समझौता करें और जीवन की कडुवाहट की सामना करने साहस लावें। सन्तान संबंधी दायित्वों की पूर्ति के लिए मन केन्द्रित होगा। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी।

मीन :– नैतिक–अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल–मेल बिठाने में असमर्थ होगा।

एबार बांगला, पार्ले सामला

नरेन्द्र नाहटा

प्रशांत किशोर ने सही कहा, अब भारतीय राजनीति में चुनाव विचार पर नहीं होते। सत्ता के लिए होते हैं जीतने के लिए होते हैं। मुझे इस विचार से ही सख्त आपत्ति है, पर सत्य यही है कि यही हो रहा है। लम्बे अरसे के बाद एक विचार पूरे उरूजा पर आया। हिंदुत्व का। स्पष्टता से कहा जाने लगा हिन्दू बनाम मुसलमान। मोदीजी इसका पर्सोनिफिकेशन थे। 2007 में गुजरात चुनाव में उनके रथ पर जनरल मुशर्रफ का फोटो, और हर पब्लिक मीटिंग में हम पांच हमारे पच्चीस का नारा। ध्रुवीकरण चुनाव की राजनीति में काम करने लगा था। सेक्युलर पार्टियां भी मानने लगीं थीं कि इसके बगैर चुनाव नहीं जीता जा सकता। उन्होंने भी वही सुर लगाए जो मोदी शाह की जोड़ी लगा रही थी या कम से कम उन सुरों का विरोध तो बंद कर दिया था। नतीजे में ओवैसी जैसे नेताओं का उदय हुआ। थोड़ा बहुत काम बचा था तो उसे इन्हीं शक्तियों ने पूरा कर दिया।

मैंने अपने राजनैतिक जीवन में दो चुनावों को बड़ी उत्सुकता से देखा, फॉलो किया और परिणामों के बाद भी उन्हें समझने की कोशिश की है। पहला 2014 का लोक सभा चुनाव जिसमें नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के उम्मीदवार थे। परिणामों के बाद मेरी दिलचस्पी इस बात में हुई कि एक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छोटे से प्रचारक ने किस तरह अपनी राजनीति नियोजित की कि वह इस विशाल प्रजातंत्र के प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गये। मुझे उनकी चाय बेचने वाली कहानी ने प्रभावित नहीं किया। उनसे पहले गरीबी के और बड़े उदहारण थे जिन्हें उन नेताओं ने कभी नहीं बेचा। पर एक प्रचारक कैसे पहुंचा? यह भारतीय संविधान और प्रजातंत्र की बड़ी जीत थी। यह उन पूर्वजों की जीत थी जिन्हें आज पता नहीं किन शब्दों से याद किया जाता है या स्पष्ट कहूं , अपमानित किया जाता है, जिन्होंने भारत के गरीब और समृद्ध , पढ़े और अनपढ़े , महिला और पुरुष सबमें संविधान के माध्यम से अपना समान विश्वास व्यक्त किया। दूसरा चुनाव बंगाल का जो हालही में संपन्न हुआ। एक महिला बनाम कौन नहीं। सारे, सब, पूरे संसाधनों के साथ. पूरी रणनीति के साथ जो अभी तक सफल रही थी। खरीदी–बिक्री की राजनीति, साम्प्रदायिकता, ध्रुवीकरण, धन–दौलत, समर्पित मीडिया, वे सारी विकृतियां जो हमारे तंत्र को विनाश की ओर ले जा रही हैं, वहां काम में ली जा रही थी। और सामने टूटे पांव वाली व्हील चेयर पर बैठ, सामना करती एक महिला। जीत के बाद तो सब कह रहे हैं खूब लड़ी मर्दानी। पर उसके पहले। उस महिला ने क्या–क्या नहीं झेला। कौन सा उपहास था जो नहीं हुआ। मुझे तब दुख नहीं हुआ जब कांग्रेस और लेफ्ट ने मिल कर तीसरी शक्ति के रूप में चुनाव लड़ा पर तब हुआ जब नंदीग्राम में भी तीसरा उम्मीदवार खड़ा किया गया। मेरी दिलचस्पी इस बात में कम रह गई है कि कौन चुनाव जीतता है, कौन मुख्यमंत्री बनता है। प्रशांत किशोर ने सही कहा, अब भारतीय राजनीति में चुनाव विचार पर नहीं होते। सत्ता के लिए होते हैं, जीतने के लिए होते हैं। मुझे इस विचार से ही सख्त आपत्ति है, पर सत्य यही है कि यही हो रहा है। लम्बे अरसे के बाद एक विचार पूरे उरू□ा पर आया। हिंदुत्व का। स्पष्टता से कहा जाने लगा हिन्दू बनाम मुसलमान। मोदीजी इसका पर्सोनिफिकेशन थे। 2007 में गुजरात चुनाव में उनके रथ पर जनरल मुशर्रफ का फोटो, और हर पब्लिक मीटिंग में हम पांच हमारे पच्चीस का नारा। ध्रुवीकरण चुनाव की राजनीति में काम करने लगा था। सेक्युलर पार्टियां भी मानने लगीं थीं कि इसके बगैर चुनाव नहीं जीता जा सकता। उन्होंने भी वही सुर लगाए जो मोदी शाह की जोड़ी लगा रही थी या कम से कम उन सुरों का विरोध तो बंद कर दिया था। नतीजे में ओवैसी जैसे नेताओं का उदय हुआ। थोड़ा बहुत काम बचा था तो उसे इन्हीं शक्तियों ने पूरा कर दिया। भारतीय प्रजातंत्र का बड़ा हिस्सा बताता है कि जब सशक्त विपक्ष नहीं रहा तो सत्तारूढ़ दल रास्ते से भटका है। पंडित नेहरू के जमाने में भले ही विपक्ष मजबूत नहीं रहा पर एक से एक प्रखर नेता विरोध में थे। उन्होंने तत्कालीन सरकार को भटकने नहीं दिया। इस बार फिर कमजोर विरोध के चलते सरकार का अहंकार बढ़ा। सीएए, एनआरसी अब आसाम नहीं बंगाल का मुद्दा थे। चुन–चुन कर निकालेंगे। बेगम जैसे अपशब्द। साम्प्रदायिकता समय की कसौटी पर परखा हुआ मन्त्र था। पूरे उत्तर भारत और कर्नाटक में चला तो मोदीजी जैसे नेता के होते बंगाल में क्यों नहीं चलेगा। आखिर वहां भी हिन्दू ही तो हैं। वहां इस फार्मूले के ज्यादा चलने के अवसर थे क्योंकि वहां तो मुसलमानों की संख्या और भी बड़ी थी। उत्तर प्रदेश जैसी। सारे भगवाधारी नेता वहां ज्यादा जोर से बोल रहे थे। अबकी बार 200 पार के नारे की बुनियाद यही विश्वास था। तब क्या हुआ। कल एनडी टीवी पर रास बिहारी सीट से भाजपा के पूर्व सांसद चंद्र कुमार बोस को सुना। उन्हें देख कर लग रहा था उम्र का अनुभव उनके पास है। वे नहीं उनकी आत्मा बोल रही थी। उन्होंने कहा बंगाल को भाजपा ने नहीं समझा। यह साम्प्रदायिकता की राजनीति, ध्रुवीकरण की रणनीति बंगाल में नहीं चल पाएगी। उन्होंने कहा न यह बंगाल हित में है, न देशहित में, ना प्रजातंत्र के हित में। उन्होंने कहा बंगाल के एक क्रिटिकल वोट बैंक ने इस राजनीति को पसंद नहीं किया और ममता चुनाव जीत गईं। जब एंकर ने उनसे पूछा इस क्रिटिकल वोट बैंक का क्या आशय तो उन्होंने कहा, बंगाल के बुद्धिजीवियों का तबका। बंगाल की संस्कृति वह नहीं रही जो भाजपा यहां चलाना चाहती है। बंगाल को जीतने के लिए बंगाल को समझना होगा। चुनाव के दौरान ऐसे ही बुद्धिजीवियों ने एक नारा दिया। नो वोट टू बीजीपी बी जे पी एकिटो वोट नॉय। उन्होंने कहा किसी को वोट दो बीजेपी को नहीं। यही वे बुद्धिजीवी थे जब अन्य राज्यों में सेक्युलर भी सी ए ए का विरोध करने में डर रहे थे इन्होंने खुल कर किया। ये ममता समर्थक नहीं थे। उनकी चिंता बांग्ला संस्कृति को बचाने की थी। बंगाल ने कभी साम्प्रदायिकता को प्रोत्साहन नहीं दिया। यह उनकी रगों में नहीं रहा। इसीलिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी भले ही बंगाल से थे उनके विचार को बंगाल ने कभी स्वीकार नहीं किया। ममता बनर्जी चुनाव जीते या कोई और यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि बंगाल की जनता ने इस सोच के प्रति स्पष्ट निर्णय दिया। यह पहली बार है कि जनता इस विचार के प्रति इतने खुले रूप में और प्रभावी तरीके से सामने आई। यह इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है कि यह निर्णय ममता बनर्जी के पक्ष से ज्यादा सांवैधानिक संस्थाओं की पक्षपात पूर्ण शैली के बावजूद था। यह उस निर्णय को भी बल देता है जो नंदीग्राम से लड़ने के लिए ममता बनर्जी ने बगैर परिणामों की चिंता किये एक लीडर के रूप में अपनी सेना के आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए लिया। यही नहीं फिर अगले चरण में किसी सुरक्षित स्थान से लड़ी भी नहीं जिसके दुष्प्रचार की शुरुआत प्रधानमंत्रीजी ने सुना है... कह कर दी थी। पर ममता जी ने मौका नहीं दिया। विपरीत परिणाम का थोड़ा आभास उन्हें भी रहा होगा। पार्टी के नेता भी इस निर्णय के पक्ष में नहीं थे पर कमांडर को ऐसा ही होना चाहिए और तभी वांछित परिणाम मिलते हैं। बंगाल की जनता ने यह सन्देश शेष देश की जनता को भी दिया है। विशेषकर हिंदी भाषी प्रदेशों को कि वह अपनी सोच पर आत्ममंथन करे। यह उन प्रदेशों के लिए भी एक सन्देश है जहां भाजपा ने जम कर नेताओं की खरीद–फरोख्त की और जनता ने इस अनैतिकता पर भी मुहर लगा दी। प्रारंभिक समाचार तो यही बता रहे हैं कि बंगाल की जमीन के इन नए मीर □ाफरों को जनता ने घर के लायक भी नहीं छोड़ा। यह धन्यवाद दीदी को नहीं उस जनता को है जिसने बताया उसे मुद्दों को परखने की सही पहचान है। निर्णय लेने की क्षमता में वह शेष देश से बेहतर है। वे धर्म और आध्यात्म का फर्क समझते हैं। समझते हैं कि कब हिन्दू एक धर्म होता है और कब वह नारा बन जाता है। समझते हैं कि कब राम भगवान होते हैं और कब श्रीराम होकर नारा बन जाते हैं। उसने समझा दिया कि सरकार की प्राथमिकता चुनाव नहीं कोरोना से जूझते और मरते मुल्क को बचाना है। उसका सन्देश उन सेक्युलर नेताओं और पार्टियों को भी है जो सॉफ्ट हिंदुत्व को रास्ता मानने लगे हैं। मुझे 1977 में आपातकाल के बाद हुए चुनाव परिणाम के बाद जिसमे जनता पार्टी जीती थी, टाइम्स ऑफ इंडिया में छपा आर के लक्ष्मण का वह कार्टून याद आ रहा है जिसमें कोट पहने हुए उनका वह आम आदमी बाहें चढ़ाये हुए एक पहलवान को चित्त किये हुए है जिसके पास सब साधन थे। आम आदमी कह रहा है कि आगे से ध्यान रखना। 45 वर्ष के बाद वह कार्टून फिर प्रासंगिक हो गया है। इसलिए विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर और काजी नजरुल इस्लाम के उस समाज को धन्यवाद। उसी संगठन ने जिसने बीजेपी को वोट नहीं देने का नारा दिया था एक और नारा दिया था। एबार बांग्ला, पार्ले सामला। मतलब इस बार बंगाल, संभाल सकता हो तो संभाल। बांग्ला समाज ने बता दिया उसमें बंगाल को संभालने की ताकत है। उनने बंगाल संभाल लिया। बंगाल के रास्ते चलते क्या हम सब मिलकर देश संभाल सकेंगे? विचार कीजिये। उन्होंने कहा न यह बंगाल हित में है, न देशहित में, ना प्रजातंत्र के हित में। उन्होंने कहा बंगाल के एक क्रिटिकल वोट बैंक ने इस राजनीति को पसंद नहीं किया और ममता चुनाव जीत गईं। जब एंकर ने उनसे पूछा इस क्रिटिकल वोट बैंक का क्या आशय तो उन्होंने कहा, बंगाल के बुद्धिजीवियों का तबका। बंगाल की संस्कृति वह नहीं रही जो भाजपा यहां चलाना चाहती है। बंगाल को जीतने के लिए बंगाल को समझना होगा। चुनाव के दौरान ऐसे ही बुद्धिजीवियों ने एक नारा दिया। नो वोट टू बीजीपी बी जे पी एकिटो वोट नॉय। उन्होंने कहा किसी को वोट दो बीजेपी को नहीं। यही वे बुद्धिजीवी थे जब अन्य राज्यों में सेक्युलर भी सी ए ए का विरोध करने में डर रहे थे इन्होंने खुल कर किया। ये ममता समर्थक नहीं थे। उनकी चिंता बांग्ला संस्कृति को बचाने की थी। बंगाल ने कभी साम्प्रदायिकता को प्रोत्साहन नहीं दिया। यह उनकी रगों में नहीं रहा।

अगर मुक्ति देना है तो अस्पताल के बिल, ईएमआई माफ करो, नौकरी दो!

शकील अख्तर

जब समय प्रगतिशील होता है तो लोगों के विचारों में उदारता, सहृदयता, और मानवता की भावना बढ़ती है। और समय जब क्रूर होता है तो जनता की बिना इलाज के मृत्यु, उनके शव को अपमानजनक ढंग से फेंकने को भी मुक्ति कहा जाता है। वैक्सीन पर सवाल उठाने वालों को गिरफ्तार कर लिया जाता है। राहुल गांधी को बड़ा बोल्ड स्टेंड लेते हुए कहना पड़ता है कि मुझे भी गिरफ्तार करो! और भरोसा नहीं कि किसी दिन राहुल गिरफ्तार भी कर लिए जाएं। वे पिछले सवा साल से लगातार बोल रहे हैं। इस समय में बोले जाना शायद सबसे बड़ा अपराध है। दुष्यंत कुमार ने कहा था–मत कहो आकाश में कोहरा घना है यह किसी की व्यक्तिगत आलोचना है! कविताएं संदर्भ बदलती हैं। ये शेर कभी जिन्हें बहुत पसंद था आज सुनना भी नहीं चाहते। समय ही ऐसा है। बात शुरू हुई थी समय से। तो प्रगतिशील समय कब होता है? जब नेतृत्व जनता के प्रति संवेदनशील होता है। जनता को जागरूक करना, उसे आगे बढ़ाना उसका उद्देश्य होता है। आजादी के बाद नेहरूजी ने यह काम किया। देश में प्रगतिशील मूल्यों की स्थापना की। भाखड़ा नंगल जैसे बड़े बांध बनाकर उन्हें भारत के नए तीर्थ की उपमा दी और साथ में साइंटिफिक टेम्पर (वैज्ञानिक मिजाज) पर सबसे ज्यादा जोर दिया। भारत में आईआईटी, एम्स, दूसरे वैज्ञानिक संस्थान तो बनाए ही लोगों में भाईचारे, सामाजिक समानता, और बौद्धिक चेतना के विस्तार का लगातार राजनीतिक, सामाजिक माहौल बनाया। इसी का परिणाम था कि दुनिया में जहां कहीं भी भारत के युवा गए उन्हें सम्मान के साथ काम मिला। विदेशी अखबारों में भारत की खबर छपती थी सकारात्मकता के

साथ। आज सकारात्मकता की बात तो बहुत हो रही है मगर विदेशी मीडिया भारत की नकारात्मक खबरों से भरा पड़ा है। नेहरूजी की बड़ी लकीर हमेशा भाजपा, समाजवादियों और अन्य कईयों को परेशान करती रही। मगर इन्होंने कभी नेहरू से बड़ी लकीर खींचने की कोशिश नहीं की हमेशा नेहरू की ही लकीर छोटी करने में लगे रहे। नेहरू ने अपनी राख भारत की जमीन में मिला देने के लिए उसे गंगा और अन्य नदियों में प्रवाहित करने की वसीयत की थी और विडंबना देखिए कि नेहरू का विरोध करने वालों के समय में लाशें नदियों में बहाई जा रही हैं, रेत में दबाई जा रही हैं। देश विचारों से ही बनता है। पाखंड से या नकारात्मकता से नहीं। नेहरू विरोध का ही अंध अभियान था गैर कांग्रेसवाद। आज के कांग्रेस मुक्त भारत नारे की पहली सीढ़ी। 1967 में लोहिया ने जनसंघ और बाकी दलों के साथ मिलकर गैरकांग्रेसवाद का नारा दिया था। कई राज्यों में उस समय इन दलों की मिलीजुली सरकारें जिन्हें संविद (संयुक्त विधायक दल) सरकारें कहते थे बना लीं। भारत की राजनीति में यह पहला मौका था जब विपक्षी पार्टियों ने अपने सिद्धांतों को पीछे धकेलकर केवल सत्ता के लिए हाथ मिला लिए थे। इसके बाद तो 1977, 1989 वीपी सिंह के समय और 2013–14 में अन्ना हजारे के साथ सभी दल सारे उसूलों को छोड़कर केवल कांग्रेस विरोध को लिए एक हो गए थे। दलों के आपस में मिलने, साथ में आने में कोई बुराई नहीं मगर ये किसी सकारात्मक उद्देश्य के लिए होना चाहिए जैसा आजादी के आंदोलन में सभी लोग कांग्रेस के नेतृत्व में साथ आए थे। मगर देश में 1967 से लेकर 2013 तक जितनी बार ये दल मिले हैं हमेशा कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए, बड़े–बड़े दावे और वादे करते हुए। और फिर अपने अन्तरविरोधों से ही एक्सपोज होते हुए। आज अस्पताल में भर्ती होना कितना मुश्किल है। बड़े–बड़े लोगों को बेड नहीं मिल रहा। बेड हैं ही नहीं। अगर सिफारिश करके या ज्यादा पैसे देकर लिया तो उसकी कीमत किसी दूसरे मरीज को चुकाना पड़ रही है। किसी गरीब या पूरी तरह ठीक नहीं हुए मरीज को घर भेजकर नए मरीज को भर्ती कर लिया जाता है। जो अस्पताल से जा रहा है उससे भी भरपूर बिल, और जो आ रहा है उससे भी मोटा एडवांस लिया जा रहा है। पूरी चिकित्सा सुविधाएं किसी को नहीं मिल रही हैं। अभी एक बड़े हिन्दी अ+खबार के युवा संपादक ने अस्पताल से लौटकर अपने अखबार में लिखा कि बच वहीं रहे हैं जिन्हें समय पर सभी सुविधाएं मिल रही हैं। सबमें विल पावर है, सब हिम्मत वाले हैं, मगर डाक्टर, दूसरा चिकित्सा स्टाफ, आक्सीजन, वेंटिलेटर, जीवन रक्षक रेमडेसिवियर इंजेक्शन, बाकी दवाएं सबको नहीं मिल पा रहीं हैं। युवा संपादक ने काफी सकारात्मकता के साथ लिखा है, मगर वह एक सही सोच समझ का संवेदनशील इंसान भी है तो सच्चाई भी झलक जाती है। डाक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ पर काम और जिम्मेदारी का भारी बोझ है। आक्सीजन, दवाएं और बाकी सुविधाएं हैं नहीं। कुछ लोग ठीक हो रहे हैं तो मरने वालों की तादाद भी कम नहीं है। और जो मर गए उनके बिल भी कम नहीं हैं। घर वाले बर्बाद हो जाते हैं। खासतौर पर मिडिल क्लास के लोग। और फिर अगर कोई यह कहे कि मरने वाले मुक्ति पा गए तो सोचिए मृतक के परिवार पर क्या बीतेगी? इतने कर्जे में डुबोकर मुक्ति पाई? मुक्ति कहते हैं अपनी उम्र पूरी करके जाने वाले के लिए। असामायिक, बिना पूरे इलाज के जाने वाले, परिवार को कर्जे में छोड़ जाने वाले को तो मरकर भी शान्ति नहीं मिलेगी। उसकी बेचौन आत्मा भटकती रहेगी। कई सवालों के साथ। अंतिम क्रिया कैसे हुई। क्या श्मशान ले गए थे। वहां नंबर लग पाया? या व्हाट्सएप पर नेहरू और राहुल गांधी के खिलाफ मैसेज फारवर्ड करते हुए बेटे ने किसी शव वाहन वाले को ही सौंप दिया था। जो रेत में दबा आया। अगर मुक्ति देना है तो उसके अस्पताल के बिल माफ करवा दो। उसकी ईएमआई माफ कर दो। उसके घर के किसी सदस्य को नौकरी दे दो। तब तो शायद वह मुक्ति पा जाए। लेकिन इतने संघर्ष, कष्ट और चिन्ता में मरे व्यक्ति की मुक्ति की बात करना उसकी आत्मा को और कष्ट पहुंचाना है। आज वे दल भी परेशान हैं, जो सात आठ साल पहले कांग्रेस को हटाने के लिए आंदोलन कर रहे थे। एक अन्ना हजारे को पकड़ लाए थे। कहां है आज अन्ना! क्या उन्हें इतनी मौतें नहीं दिख रहीं। अन्ना ने किसलिए आंदोलन किया था? आज जाकर कोई पूछे तो वे शायद बता भी नहीं पाएंगे। लेकिन यह पहली बार नहीं हुआ। जयप्रकाश नारायण का भी यही हाल हुआ था। उन्हें भी दूसरा गांधी कहा गया था। फिर यही पदवी अन्ना को दी गई। गलती कांग्रेस की भी है। दस साल के यूपीए शासनकाल में उसके मंत्री और संगठन के ऊंचे पदों पर बैठे लोग जनता और कार्यकर्ताओं से पूरी तरह कट गए थे। सोनिया गांधी जो किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा, महिला बिल लाईं थीं उसमें खुद कांग्रेसियों ने बहुत अड़ंगे डाले थे। आज जनता पर समय भारी है तो कांग्रेस के नेताओं में से राहुल और प्रियंका ही हिम्मत के साथ सड़क पर उतर रहे हैं, सवाल उठा रहे हैं। राहुल का विरोध पूरी केन्द्र सरकार, भाजपा, मीडिया तो कर ही रही है, पार्टी के अंदर से भी उन्हें कमजोर करने की कोशिशें बंद नहीं हुई हैं। पार्टी में राहुल के साथ मजबूती से खड़े होने वाले कम लोग हैं। ज्यादातर हवा का रुख भांपते रहते हैं। अभी युवा नेता राजीव सातव का चला जाना कांग्रेस के लिए और खासतौर से राहुल के लिए बड़ी क्षति है। राहुल पर हमला करने वालों का सात व पूरे दम से मुकाबला करते थे। राहुल को यह देखना चाहिए कि जो लोग इस समय उनके साथ खड़े हैं उनके साथ और उनके बाद उनके परिवार के साथ वे भी उसी मजबूती के साथ खड़े हों!

मैं आपकी आदर्श वेब उपभोक्ता नहीं हूं: तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा कि वह आदर्श वेब उपभोक्ता (दर्शक)नहीं हैं क्योंकि 'वह लंबे समय तक ध्यान नहीं दे पातीं' जबकि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। इस समय भाटिया तमिल क्राइम थ्रिलर 'नवंबर स्टोरी' की पटकथा में व्यस्त हैं। यह सात कड़ी का धारावाहिक है जिसने उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, '' कोविड–19 महामारी से पहले मेरे पास वेब शो की कई पटकथाएं थी क्योंकि मेरी ऑनलाइन मंच की संभावनाओं का इस्तेमाल करने में रुचि थी लेकिन मैं नयी दिल्ली, 13 मई (भाषा) अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा कि वह आदर्श वेब उपभोक्ता (दर्शक)नहीं हैं क्योंकि 'वह लंबे समय तक ध्यान नहीं दे पातीं' जबकि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। इस समय भाटिया तमिल क्राइम थ्रिलर 'नवंबर स्टोरी' की पटकथा में व्यस्त हैं। यह सात कड़ी का धारावाहिक है जिसने उनका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, '' कोविड–19 महामारी से पहले मेरे पास वेब शो की कई पटकथाएं थी क्योंकि मेरी ऑनलाइन मंच की संभावनाओं का इस्तेमाल करने में रुचि थी लेकिन मैं आपकी आदर्श वेब उपभोक्ता नहीं हूं क्योंकि मैं बहुत ही कम ध्यान दे पाती हूं। उन्होंने मुंबई से टेलीफोन पर बताया, ''अगर मैं वेबसीरीज देखती हूं तो 15 मिनट में बंद कर देती हूं या पूरी देख लेती हूं। यह मेरे काम में भी मदद करता है क्योंकि किसी के देखने से पहले यह एक दर्शक के रूप में मेरा ध्यान भी आकर्षित कराता है।'' गौरतबल है कि डिजनी–हॉटस्टार वीआईपी शो में 31 वर्षीय अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अनुराधा नामक हैकर का किरदार निभा रही हैं। भाटिया कई तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम चुकी हैं।

फैमिली के साथ बिकिनी में पोज देती दिखीं किम कार्दशियन

जानी–मानी मॉडल और रिएलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस के जरिए अकसर सुर्खियां बटोरती दिखाई दे जाती हैं।

एक्ट्रेस संजना सांघी एनजीओ के साथ मिल कर करेंगी ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की मदद

अभिनेता संजना सांघी कोविड–19 महामारी से प्रभावित भारत के दूरदराज के हिस्सों में वंचित समुदायों के बच्चों और परिवारों की मदद के लिए एनजीओ सेव द चिल्ड्रन के साथ सहयोग करेंगी। अभिनेता संजना सांघी कोविड–19 महामारी से प्रभावित भारत के दूरदराज के हिस्सों में वंचित समुदायों के बच्चों और परिवारों की मदद के लिए एनजीओ सेव द चिल्ड्रन के साथ सहयोग करेंगी। भारत में कोरोनावायरस महामारी की दूसरी लहर ने भारी तबाही मचाई है। मामलों में हालिया उछाल से पता चला है कि वायरस देश के दूरदराज के हिस्सों में भी जा रहा है और कई वंचित समुदायों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में इस तरह की पिछड़ी जगह जहां संसाधनों की कमी है वहां पर यह एनजीओ लोगों की मदद कर रही है। संजना सांघी कर रही है सामाजिक कार्य संजना सांघी ने भारत के दूरदराज के हिस्सों में कमजोर और वंचित समुदायों के बच्चों और परिवारों का समर्थन करने के लिए एनजीओ सेव द चिल्ड्रन के साथ हाथ मिलाया है, जो कोविड –19 महामारी से प्रभावित हुए हैं। संजना एनजीओ के साथ इन वंचित समुदायों के बच्चों और परिवारों की मदद करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। अपने प्रोटेक्ट ए मिलियन मिशन के माध्यम से, उन्होंने ऐसे एक मिलियन लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। संजना ने अपने सोशल मीडिया पर लोगों से मानवता के तौर पर लोगों का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने एक वीडियो साझा किया, जिसमें कहा ष्एक साथ हम सबसे अयोग्य और कमजोर समुदायों को ऑक्सीजन, महत्वपूर्ण देखभाल, आवश्यक दवा, मनो–सामाजिक सहायता और पोषण पैकेज के रूप में कोविड सहायता प्रदान करेंगे, जो बच्चे हैं और भारत के 57 जिलों में दूरदराज के हिस्सों में उनके परिवार। हमारा लक्ष्य ऐसे दस लाख बच्चों और परिवारों तक पहुंचना है और हम आपके बिना ऐसा नहीं कर सकते।ष

रेड साड़ी में आमना शरीफ ने इंटरनेट पर ढाया कहर

एक्ट्रेस आमना शरीफ सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी तस्वीरें फैन्स के साथ साझा करती रहती हैं। लेकिन इस बार आमना शरीफ का अंदाज देखने लायक है, जी हां रेड साड़ी में आमना शरीफ का ये दिलकश अंदाज देख फैन्स उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

घर पर बनाएं 2 खास डेजर्ट, दोगुना हो जाएगा त्योहार का मजा

आज का पावन त्योहार है। इस खास दिन पर लोग एक–दूसरे को ईद की बधाई देने के साथ मुंह मीठा करवाते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए खास खजूर की बर्फी और गुड़ की रबड़ी की रेसिपी लेकर आए है। ऐसे में आप इसे ईद की दावत में बनाकर इस पर्व का दोगुना मजा उठा सकती है। तो आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका...

1.खजूर बर्फी

सामग्री

खजूर– 400 ग्राम (पिसा हुआ)
बादाम– 50 ग्राम (कटा हुए)
काजू– 50 ग्राम
सूखे अंगूर– 50 ग्राम
नारियल– 25 ग्राम (कद्दूकस)
इलायची पाउडर–1/2 छोटा चम्मच
खसखस– 20 ग्राम
घी– 75 ग्राम

विधि

– पैन में धीमी आंच पर खसखस भूनकर प्लेट में निकाल लें।

– अब उसी पैन में घी गर्म करके ड्राई फ्रूट्स भूनें।

– इसमें नारियल, इलायची पाउडर मिलाएं।

– फिर खजूर का पेस्ट, सूखे अंगूर डालकर 2 से 3 मिनट तक पकाएं।

– तैयार मिश्रण को प्लेट में फैलाएं।

– थोड़ा ठंडा होने पर इसके स्लाइस काट लें।

– ऊपर से खसखस छिड़के और ठंडा करके सर्व करें।

– बाकी की खजूर बर्फी एयर टाइट कंटेनर में भर कर स्टोर कर लें।

2. गुड़ की रबड़ी

सामग्री

गुड़– 2 कप (पिसा हुआ)
दूध – 3 लीटर
केवड़ा जल – 2 बड़े चम्मच
इलायची पाउडर– छोटा चम्मच
गार्निश के लिए
ड्राई फ्रूट्स– जरूरत अनुसार (बारीक कटे)

विधि

– पैन में दूध डालकर लगातार चलाते हुए उबालें।

– दूध गाढ़ा होने पर इसमें केवड़ा, इलायची और गुड़ पाउडर मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।

– धीरे–धीरे दूध पक कर बेहद गाढ़ा होकर रबड़ी बन जाएगा।

– तैयार रबड़ी को ठंडा करने के लिए अलग रख दें।

– अब इसे सर्विंग डिश में निकाल कर ड्राइ फ्रूट्स से गार्निश करके सर्व करें।

डेंगू में अगर प्लेटलेट्स घटने लगें, तो इन घरेलू उपायों की लें मदद

16 मई को भारत में नेशनल डेंगू डे के तौर पर मनाया जाता है। हालांकि भारत में मच्छरों से फैलने वाली इस बीमारी का प्रसार बरसात के दिनों में ज्यादा होता है। फिर भी समय रहते इस पर जागरूकता फैला कर इसे कंट्रोल करना जरूरी है। डेंगू से हर साल 5 से 10 करोड़ लोग संक्रमित होते हैं। जिनमें से कईयों की प्लेटलेट्स कम होने के कारण मृत्यु हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप मरीज के प्लेटलेट्स काउंट पर लगातार नजर रखें और जरूरी घरेलू उपाय अपनाएं।

बुखार आने पर क्या करें

इसका उपाय एक ही है, ऐसी स्थिति में बुखार के समय मरीजों को उनका प्लेटलेट काउंट समय–समय पर चौक करवाते रहना चाहिए। जिससे आप अपने प्लेटलेट्स को कम होने से रोक सकें। इसके साथ–साथ आपको अपने आहार में प्लेटलेट्स बढ़ाने वाले पौष्टिक आहार को शामिल करना चाहिए।

प्लेटलेट्स छोटी रक्त कोशिकाएं होती हैं, जो खासतौर पर बोनमैरो में पाई जाती हैं। हमारे शरीर में प्लेटलेट्स की कमी इस बात को दिखाती है कि खून में बीमारियों से लड़ने की ताकत कम हो रही है। प्लेटलेट्स कम होने की इस स्थिति को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया कहा जाता है।

एक स्वस्थ व्यक्ति में सामान्य प्लेटलेट काउंट 150 हजार से 450 हजार प्रति माइक्रोलीटर होता है। जब ये काउंट 150 हजार प्रति माइक्रोलीटर से नीचे चला जाता है, तो इसे लो प्लेटलेट माना जाता है।

प्लेटलेट्स कम होने का कारण
दवाओं के सेवन से
आनुवंशिक रोगों
कुछ प्रकार के कैंसर
कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट

बुखार जैसे डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया

डेंगू बुखार में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप प्लेटलेट्स काउंट पर नजर रखें। चित्ररू शटरस्ष्टॉक डेंगू बुखार में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप प्लेटलेट्स काउंट पर नजर रखें। चित्ररू शटरस्ष्टॉक

अगर प्लेटलेट्स घटने लगें, तो इन घरेलू उपायों की लें मदद

1 चुकंदर

प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए सबसे पहले चुकंदर को आप अपने खाने में शामिल कर सकती हैं। आप इसका सलाद और जूस बनाकर भी सेवन कर सकती हैं। एंटीऑक्सीट्डेंट से भरपूर चुकंदर में प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए सभी जरूरी गुण मौजूद होते हैं। इसका सेवन करने से आपका इम्यून सिस्ष्टम मजबूत रहता है।

2 पपीते के पत्ते

पपीते के पत्तों को पानी में उबालकर उसे ग्रीन टी के रूप में पीने से काफी लाभ होता है। साल 2009 में मलेशिया के शोध ाकर्ताओं ने ये दावा किया था कि प्लेटलेट्स बढ़ाने में पपीता ही नहीं, उसकी पत्तियां भी मददगार साबित होती हैं। 'खासतौर पर डेंगू बुखार के कारण कम हुए प्लेटलेट्स को संतुलित करने में पपीता फायदेमंद होता है।

पपीते के फायदे तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं पपीते के पत्ते में है गुणों का भंडार। चित्र– शटरस्टॉक।

3 आंवला

ये एक आयुर्वेदिक उपचार है। आंवले में मौजूद विटामिन–सी शरीर में प्लेटलेट्स का उत्पादन बढ़ाता है, इससे शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है। इसका नियमित सेवन करना बेहद जरूरी है। इसके लिए हर दिन सुबह खाली पेट 3 से 4 आंवला खाएं। आप इसका सेवन चुकंदर के जूस में डालकर भी कर सकती हैं।

प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए कीवी का सेवन करें।गाजर का नियमित सेवन करें।नारियल पानी का सेवन करें। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स प्लेटलेट्स बढ़ाने में बेहद मददगार साबित होते हैं।बकरी का दूध भी प्लेटलेट्स बढ़ाने में बहुत लाभकारी होता है।

नोट– प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए इन खाद्य पदार्थों को पका कर खाने की जगह कच्चा ही खाएं। साथ ही ध्यान रहे कि डेंगू एक खतरनाक बीमारी है। इसलिए यह जरूरी है कि इसके लिए अपनी मर्जी से कोई भी उपचार न करें। बल्कि होम रेमेडीज के लिए भी डॉक्ष्टर के परामर्श पर भरोसा करें।

कोरोना वायरस से बचने के लिए खाने में शामिल करें ये इम्युनिटी बूस्ट फूड

देश के डॉक्टर और एक्सपर्ट का कहना है कि अगर कोरोना वायरस से बचना है तो आपकों अपनी इम्युनिटी स्ट्रांग करनी होगी ऐसे में हम आपकों कुछ ऐसे हैल्थी फूड के बारे में बता रहे हैं जिनका सेवन कर आप अपने घर में ही रह कर अपनी इम्युनिटी के पहले से स्ट्रांग बना सकते हैं तो आईए जानते हैं कुछ इम्युनिटी बूस्ट फूड के बारे में–

मुनक्का– मुनक्का का सेवन करने से हड्डियों और दांतों को तो मजबूती मिलती ही है इसके अलावा इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए भी मुनक्का काफी फायदेमंद है। मुनक्का किशमिश से थोड़ा अलग होता है, ये लाल और बड़े अंगूर को सुखाकर तैयार किया जाता है। इसमें काफी मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, और इसके अलावा इसमें प्रोटीन, वसा, कार्ब्स, फाइबर, कॉपर और आयरन जैसे पोषक तत्व भी मौजुद होते हैं।

अलसी– अलसी या फ्लैक्स सीड्स ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपुर होता है। अलसी का सेवन बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर हमारे हार्ट को भी हेल्दी रखता हैं।

मशरूम– इसमें विटामिन डी और कई सारे पोषक तत्व होते हैं। ये स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है. इम्यूनिटी को मजबूत करने के लिए आप खाने में मशरूम को शामिल कर सकते हैं।

ब्रोकली– खाने में ब्रोकली का इस्तेमाल आप सलाद, सब्जी और सूप के रूप में कर सकते हैं। ब्रोकली पोषक तत्व का भंडार है। इसे खाने से शरीर को की सारे विटामिन और एंटी–ऑक्सीडेंट गुण मिलते हैं। इसके साथ ही शरीर के इम्यूनिटी को भी स्ट्रांग करता है।

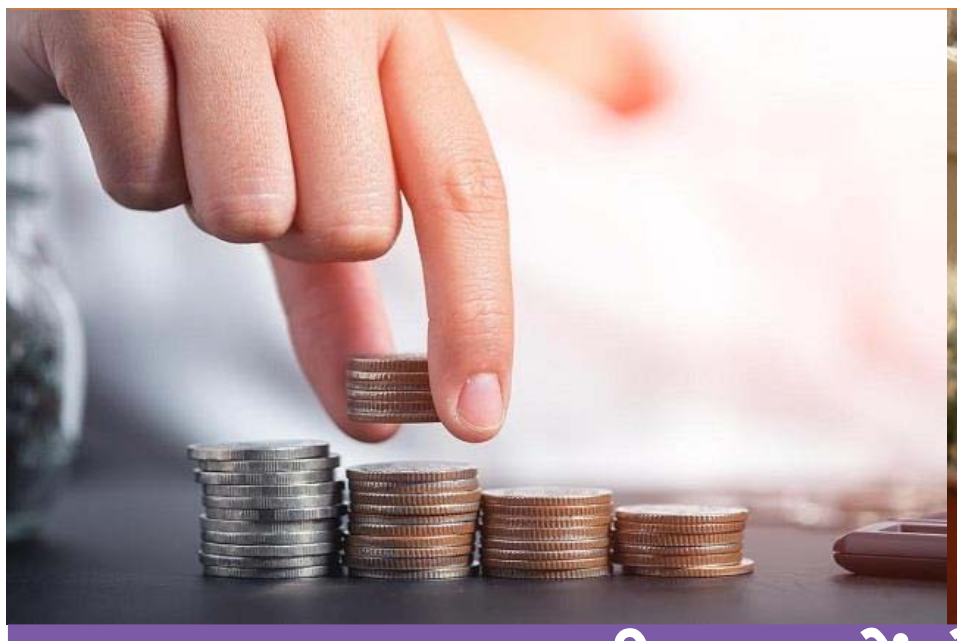

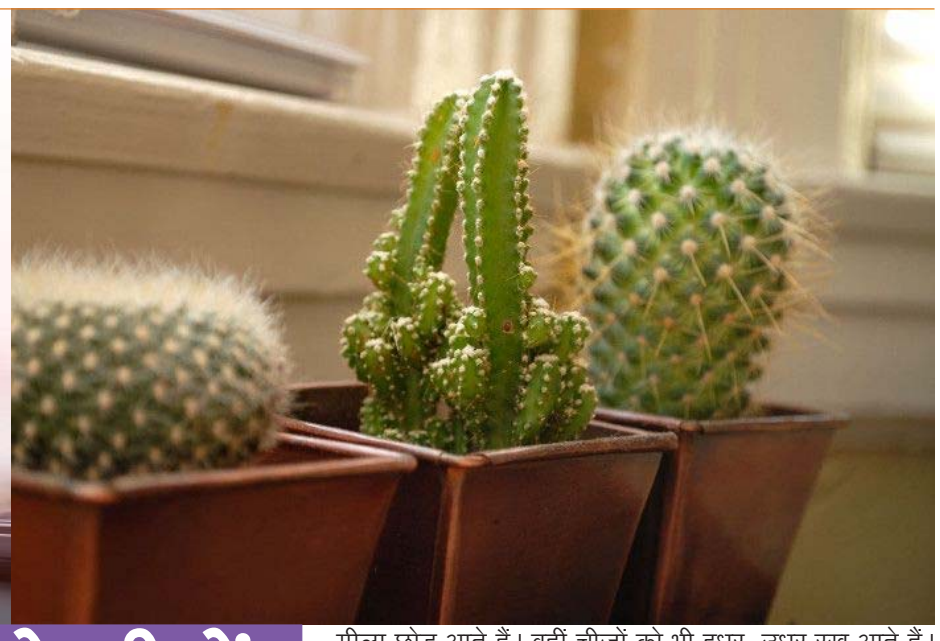

घर पर भूलकर भी न रखें ये चीजें, रुक सकता है धन का आगमन

आपने कई बार लोगों को यह कहते सुना होगा कि घर में ध न नहीं टिकता है। बिना मतलब के खर्चे होते रहते हैं। वहीं घर में हमेशा तनाव भरा माहौल रहता है। ऐसे में लोग अक्सर खुद की किस्मत को दोष देते हैं। मगर वास्तु के अनुसार, घर पर मौजूद कुछ चीजों भी धन हानि व परेशानियों को न्योता देती है। जी हां, घर पर पड़ी कुछ चीजें नकारात्मक ऊर्जा फैलाती है। इसके कारण व्यर्थ का खर्च व तनाव का सामना करना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताते हैं, जिसे तुंरत हटा देने में ही भलाई है... पानी टपकता हुआ नल अगर आपके घर का कोई नल खराब है। साथ ही उससे लगातार पानी टपकता है तो उस तुरंत ठीक करवा लें। वास्तु के अनुसार, ऐसा नल घर पर होने से नकारात्क ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे में धन हानि होने का खतरा रहता है। ऐसे पौधों ना रखें घर पर पौधे रखने से वातावरण शुद्घ होने के साथ पॉजीटिविटी बढ़ती है। मगर इसे हमेशा फूलों व पत्तों वाला लगाएं। कांटेदार पौधों के घर पर लगाने से बचना चाहिए। घर पर कांटेदार पौधे होने से रिश्तों में खटास आने लगती है। वहीं बेकार के कामों में धन खर्च होने लगता है। घर पर ना लगाएं ऐसी तस्वीर भले ही पानी वाला झरना देखने में खूबसूरत लगता है। मगर घर पर झरना या इसकी तस्वीर लगाने से नेगेटिव असर होता है। माना जाता है कि इससे आर्थिक तौर पर परेशानियां झेलनी पड़ सकती है। बाथरूम गीला न रखें अक्सर लोग नहाने के बाद बाथरूम गीला छोड़ आते हैं। वहीं चीजों को भी इधर–उधर रख आते हैं। मगर वास्तु के अनुसार, यह धन हानि की ओर संकेत करता है। इसलिए बाथरूम को हमेशा साफ व सूखा रखें। रसोई में दवा रखना गलत रसोई में दवाओं को रखना भी अशुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार, इससे व्यर्थ की बीमारियां जन्म लेती है। ऐसे में पैसा बीमारियों पर खर्च होता है। गैस या चूल्हे पर बर्तन न रखें आमतौर पर महिलाएं रात किचन साफ किए बिना ही सो जाती है। वहीं गैस व चूल्हे पर भी गंदे बर्तन रख देती है। मगर ऐसा करने से पैसों की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही घर में कलह होने का खतरा रहता है। इसलिए रोजाना झूठे बर्तनों को धोकर ही सोएं। इस दिशा में ना रखें कूड़ेदान कभी भी घर की उत्तर दिशा पर कूड़ेदान न रखें। वास्तु के अनुसार, यह दिशा धन के देवता कुबेर की कहलाती है। ऐसे में यहां पर डस्टबिन रखने से आर्थिक तौर पर समस्या झेलनी पड़ सकती है। कांच की टूटी चीजें ना रखें वास्तु के अनुसार, कोई भी कांच की वस्तु टूटने पर उसे तुरंत फेंक दें। असल में, टूटा हुए शीशे से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। ऐसे में घर से बकरत चली जाती है। खराब बिजली का सामान घर पर बिजली की खराब चीजें रखने से भी बचना चाहिए।

हिन्दी दैनिक

अमिट रेखा

7

कुशीनगर मंगलवार, 18 मई 2021

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान कुछ लोगों ने भय का वातावरण बनाने की चेष्टा की: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुये कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर की शुरूआत में कुछ लोगों ने जनता और स्वास्थ्यकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के बजाये भय का वातावरण पैदा करने की शरारतपूर्ण चेष्टा की और उसका परिणाम है कि अफरातफरी के हालात बने, हर व्यक्ति ऑक्सीजन, रेमडेसिविर के लिये दौड़ पड़ा और अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गयी। आदित्यनाथ ने कहा कि ईश्वर की कृपा और सभी लोगों के सहयोग से स्थिति नियंत्रण में की गयी। मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुजफ्फरनगर में 'इंटीग्रेटेड कोविड कंट्रोल रूम' का निरीक्षण करने के बाद यह कहा। उन्होंने कहा, ''कोरोना वायरस की दूसरी लहर में संक्रमण बहुत तेजी से फैलने के कारण ऑक्सीजन, रेमडेसिविर की मांग अचानक बढ़ गयी, अचानक दवाओं की कीमत बढ़ने लगी, भय पैदा किया गया और जनता के बीच स्वाभाविक रूप से ऑक्सीजन, रेमडेसिविर के लिये होड़ लग गयी।'' आदित्यनाथ ने कहा, जब जनता से संबंध बढ़ाना चाहिये था, मनोबल को बढ़ाना चाहिये था, अपने स्वास्थ्य कर्मियों के मनोबल को बढ़ाने की आवश्यकता थी उस समय कुछ लोगों ने जानबूझकर उनके मनोबल को गिराने, भय का वातावरण पैदा करने की शरारतपूर्ण चेष्टा की और उसका परिणाम है कि स्थिति अफरातफरी वाली बनी। एक समय अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गयी लेकिन ईश्वर की कृपा से, सभी लोगों के सहयोग से स्थिति नियंत्रण में की गयी और आज स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उपचाराधीन मामले लगातार कम हो रहे हैं। प्रदेश में अब तक साढ़े चार करोड़ नमूनों के परीक्षण किये जा चुके है, प्रदेश में अब तक डेढ़ करोड़ लोगों को टीका लगाया जा चुका है और 18 से 44 साल के लोगों को टीका लगाने का काम भी आरंभ किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ब्लैक फंगस के मामले सामने आ रहे हैं और इसके मरीजों के उपचार की व्यवस्था हर जनपद में हो सके इसके लिए राज्य सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

थाई युवती केस मामले में कोर्ट के आदेश पर ही एफआईआर दर्ज करेगी पुलिस

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ पुलिस ने साफ कर दिया है कि थाईलैंड की युवती की रहस्यमय मृत्यु के मामले में वह कोर्ट के आदेश के बाद ही एफआईआर दर्ज करेगी। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा मुकदमे के लिए प्रेषित प्रार्थनापत्र पर थाना विभूतिखंड के दरोगा मनोज यादव ने जवाब दिया है कि इस मामले में थाना गौतमपल्ली में एक एफआईआर दर्ज किया गया है. साथ ही समाचारपत्रों से यह भी ज्ञात हुआ है कि इस मामले में आवेदिका ने मुकदमा दर्ज करने के लिए सीजेएम कोर्ट लखनऊ में धारा 156(3) में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है। नूतन ने अपने प्रार्थनापत्र में कहा था कि उनके द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनापत्र में धारा 5 अनैतिक (व्यापार) निवारण अधिनियम 1956 के साथ 120ठ, 177, 201, 203, 465 दंक 466 आईपीसी का अपराध बन रहा है, जो संज्ञेय अपराध है. पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं करने पर उन्होंने लखनऊ पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया है जिसपर सुनवाई होनी है।

रेहड़ी पटरी वालों के लिए एक हजार की सहायता राशि को छह हजार रूपये किया जाय : मकपा

लखनऊ, (यूएनएस)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित रेहड़ी पटरी वालों के लिए प्रतिमाह एक हजार की सहायता राशि अत्यंत कम है। इसे बढ़ाकर कम से कम छह हजार रूपये प्रतिमाह किया जाना चाहिए और सभी असंगठित मजदूरों को दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही दस किलो मुफ्त राशन प्रति व्यक्ति सभी जरूरतमंदों को दिया जाना चाहिए चाहे वे राशनकार्ड धारक हों या न हों। कोरोना काल में गरीबों को जिंदा रखने के लिए कम से कम इतनी सहायता आवश्यक है। लाशों को नदियों में बहाने अथवा उसके किनारे दफन करने पर योगी सरकार ने रोक लगा दी है और पुलिस का पहरा बैठा दिया है। ऐसे परिवार जो कोरोना इलाज और बेरोजगारी से टूट चुके हैं उनके पास नियमानुसार दाह संस्कार के पैसे नहीं रह गये हैं। प्रदेश सरकार ने गांव सभाओं के माध्यम से 5000 रूपये की सहायता की घोषणा की है, हकीकत है कि अीाी तक गांव प्रधान का शपथ ग्रहण ही नहीं कराया गया है, फिर यह कैसे संभव होगा। सरकार ऐसे परिवारों को दाह संस्कार के लिए कम से कम दस हजार रूपये की सहायता उपलब्ध करायें और शीघ्रातिशीघ्र ग्राम प्रधानों का शपथ ग्रहण करायें। कोरोना महामारी से बदहाल हुई प्रदेश की जनता पर रेगुलेटरी सरचार्ज लगाकर बिजली दरों में वृद्धि की कोशिश का तीव्र विरोध करते हुए माकपा सचिव मण्डल ने हर हालत में इसे रोके जाने की और गांवों में महामारी से मुकाबले के लिए जागरूकता के लिए सर्वदलीय समितियों का जिला व गांव स्तर पर गठन करने तथा सभी पीएचसी अस्पतालों पर कोरोना इलाज की सुविधा देने की मांग की है।

शहर के कई क्षेत्रों से हटाए अवैध होर्डिंग

लखनऊ,(यूएनएस)। कर्नल सत्येंद्र सिंह और जोनल अधिकारी जोन–1 दिलीप श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में टीम लीडर टीम लीडर राजेश सिंह, स्क्वाड कमान्डर सफीर आलम, स्क्वाड कमान्डर विजय मिश्र ने प्रवर्तन दल,पी आर डी जवानों और नगर निगम जोन–1 के कर अधीक्षक राकेश कुमार, कर अधीक्षक अनूप श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक सुभाष कुमार, राजस्व निरीक्षक जय संकर पाण्डे के साथ संयुक्त अभियान चलाकर पुराने हाई कोर्ट, जिला अधिकारी कार्यालय और आस पास रोड, चौराहों पर लगे अस्थायी होर्डिंग, पोस्टर व प्रचार संबंधित सामग्री को हटवाया। यहाँ ध्यान देने वाली बात है कि नगर निगम लखनऊ प्रदेश की राजधानी में कोरोना महामारी को बहुत ही सहज तरीके से समायोजित करते हुए निगम के सारे दायित्वो जैसे कैटल कैचिंग, अतिक्रम हटाना, नालो की सफाई कराना, महानगर में कूड़े का निस्तारण करना शहर में युद्ध स्तर पर दवा का छिड़काव, जरूरत मंदो को मास्क और भोजन उपलब्ध इत्यादि करवा रहा है।संक्रमण काल के दौरान नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी काफी सक्रिय हैं।हाल ही में बी ब्लॉक साउथ सिटी के निवासी कर्नल एन सी जोशी के पिताजी का कोरोना से स्वर्गवास हो गया। भैंसा कुंड में उनके पिता के अंतिम संस्कार में नगर निगम के योगदान की उन्होंने बेहद सराहना किया।

काकोरी में सड़क हादसे में गई दोनों जवानों की जान एक की हालत गंभीर

लखनऊ,(यूएनएस)। लखनऊ कमिश्नरेट काकोरी थाना क्षेत्र के हसीब नगर में शनिवार की रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो जवानों की जान चली गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में जान गवाने वाले युवाओं के परिजनों और ग्रामीणों ने रविवार की शाम लखनऊ हरदोई रोड जाम कर करीब 1 घंटे तक प्रदर्शन कर हत्या का मुकदमा दर्ज करने और परिजनों को 10–10 लाख रुपए का मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आशिक लॉकडाउन के दौरान ग्रामीणों द्वारा किए गए प्रदर्शन के बाद एसडीएम मलीहाबाद एसीपी काकोरी और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को मुआवजा दिए जाने का आश्वासन देकर किसी तरह से प्रदर्शन समाप्त कराया।

उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर पर्यटन मोड पर चल रही : अखिलेश यादव

लखनऊ, (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना और ब्लैक फंगस की बीमारी से लोगों की रोज ही जानें जाने लगी है, इलाज की अव्यवस्थाएं बरकरार हैं, मरीजों की कहीं सुनवाई नहीं है तब ऐसी अनियंत्रित अवस्था में मुख्यमंत्री जी की जनपदीय यात्राओं से कौन सा परिणाम आएगा? मुख्यमंत्री जी जहां जाते हैं अस्पतालों में मरीजों को उनके हाल पर छोड़कर डाक्टर–अधिकारी उनकी आवभगत में लग जाते हैं। आदेश–निर्देश से क्या हासिल होना है। नदी किनारे शवों का अंबार, मंडराते गिद्धों–चीलों के दृश्य राज्य सरकार को यह सब क्यों नहीं दिखता है? क्या यह सच्चाई नहीं है कि उत्तर प्रदेश में जो भी स्वास्थ्य ढांचा है वह समाजवादी सरकार में ही निर्मित हुआ है। भाजपा सरकार ने चार वर्ष में किसी अस्पताल की नींव तक नहीं रखी। भाजपा तो रायबरेली–गोरखपुर में एम्स चालू नहीं कर पायी। अवध शिल्पग्राम और हज हाउस आज कोविड इलाज में काम आ रहे हैं, इनका निर्माण भी समाजवादी सरकार के समय ही हुआ था। वैसे भी मुख्यमंत्री अपने दौरों की निरर्थक कसरत से क्या संदेश देना चाहते हैं। उनके पास ऐसा कौन सा नुस्खा है जो डाक्टरों को पता नहीं है। बेहतर सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराती तो तमाम पीड़ितों को राहत मिलती। गांवो में दिन पर दिन हालत बिगड़ते जा रहे हैं। राज्य के एक लाख गांवो में 70 प्रतिशत आबादी है। यहां कोरोना या ब्लैक फंगस संक्रमण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है। न बड़े पैमाने पर टेस्टिंग हो रही है, न दवाएं है। पेरासिटामोल तक उपलब्ध नहीं है। वैक्सीनेशन की तो चर्चा करना ही व्यर्थ है। गांव–गांव मातम पसरा है, घर–घर बुखार में तप रहा है। सबसे दुःखद और शर्मनाक तो यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर पर्यटन मोड पर चल रही है। पहले दूसरे राज्यों में प्रचार के बहाने अब जिलों–जिलों में दौरा। राज्य में काम बंद, रास्ता बंद। सरकार छलावा के धंधे से अपना काम चला रही है। इस भाजपा का ऐसा कलियुगी राज है जिसमें न जीते जी इलाज मिल रहा है और नहीं मरने के बाद सम्मान से अंतिम संस्कार ही हो पा रहा है। समाजवादी पार्टी जब जनता की दिक्कतों की आवाज उठाती है तो सरकार अपने काम में सुधार की बजाय उनके एक–दो मंत्री समाजवादी पार्टी के प्रति रागद्वेष की दुर्भावना से अनाप–शनाप आरोप लगाने का काम करते रहते है।

भारत अपने पश्चिमी तट के निचले इलाकों से हजारों लोगों को निकाल रहा है, क्योंकि एक शक्तिशाली चक्रवात शतौकतेश ने गुजरात राज्य में कम से कम छह लोगों की जान ले ली है। अरब सागर में बना यह चक्रवात अपने साथ भारी बारिश और हवाओं को साथ लेकर आया है, जिससे पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कुछ हिस्सों में घरों को नुकसान पहुंचा और कई पेड़ उखड़ गए।

पंचायत चुनाव ड्यूटी के समय मृत्यु हुए कर्मियों के परिजनों को अनुदान दे सरकार : लल्लू

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले शिक्षकों के समान शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों को एक समान अनुदान देने की मांग करते हुए कहा कि कोरोना की सरकार जनित त्रासदी में यह जान गंवाने वाले सभी लोगों के साथ समान नीति के अंतर्गत न्याय होना चाहिये। उन्होंने कहा कि समान अनुदान के साथ मृतक शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के आश्रितों को सरकारी नौकरी भी दी जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पंचायत चुनाव ड्यूटी में शिक्षकों व अन्य कर्मियों के अतिरिक्त 200 शिक्षामित्रों, 99 अनुदेशकों सहित लगभग 100 रसोइयों को पंचायत चुनाव ड्यूटी करते समय कोरोना संक्रमण हुआ और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी है। शिक्षकों व अन्य राज्य कर्मियों के लिये राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रत्येक के आश्रितों को 30 लाख रुपया प्रति कर्मी अनुदान घोषित किया है लेकिन उसमें शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के लिये कोई राहत की घोषणा नहीं की, जिससे मृतको के आश्रितों के समक्ष रोजी रोटी का संकट है जिसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान जान गंवाने वाले शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के लिए राहत ही घोषणा न किया जाना समता के मूल सिद्धांत व मानवीय आधार पर अन्याय है इसलिये योगी सरकार असमानता व अन्याय के बजाय शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के आश्रितों को समान नीति बनाकर अनुदान देने के साथ प्रत्येक जान गंवाने वाले के एक आश्रित को सरकारी नौकरी भी प्रदान करे जिससे उनके परिवार की आजीविका चल सके। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने राज्य सरकार की पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों के साथ भेदभावपूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण की भयावहता विकरालता के बावजूद राज्य सरकार ने जबर्दस्ती चुनाव कराये जिसके चलते संक्रमण से मौतें हुईं जिसके लिये राज्य सरकार पूरी तरह दोषी है, वहीं उसकी अनुदान नीति भी गलत है। अजय कुमार लल्लू ने मांग की है कि मृतक शिक्षकों के परिजनों को एक–एक करोड़ रुपये प्रति शिक्षक परिवार अनुदान के साथ मृतक आश्रित के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार को चाहिये कि शिक्षकों के साथ–साथ शिक्षामित्रों, अनुदेशकों व रसोइयों के परिवार को भी एक समान अनुदान देने के साथ प्रत्येक मृतक के एक आश्रित को सरकारी सेवा में समायोजित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

पूर्ण स्ववित्तपोषित योजना के तहत एनसीसी ने प्रदेश में निजी स्कूलों के लिए दरवाजे खोले

लखनऊ, (यूएनएस)। एनसीसी लागू करने की प्रतीक्षा कर रहे उत्तर प्रदेश राज्य के स्कूलों के लिए एक अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने हाल ही में पूर्णस्व–वित्तपोषित योजना के तहत एनसीसी में 4000 जूनियर डिवीजन, विंग रिक्तियों को आवंटित किया है। यह कदम राज्य में एनसीसी के गतिविधियों को विस्तारित करने में मदद करेगा। राज्य में पहले से ही एक लाख पचास हजार कैडेट हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। यह कदम कई स्कूलों की लंबित मांग के बाद उठाया गया है जहां स्कूलों में सीमित रिक्तियों के कारण एनसीसी शुरू नहीं किया जा सकता था। इस योजना से छात्रों कोबड़े पैमाने पर लाभ होगा जिसमें उन्हें न केवल राष्ट्र निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा, बल्कि एनसीसी (ए) प्रमाण पत्र प्राप्त करने के अलावा पेशेवर कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए भी काफी लाभ होगा। कैडेटों को बुनिया दी सैन्य प्रशिक्षण और विभिन्न सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास गतिविधियों में भाग लेने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर शिविर, ट्रेक, पर्वतारोहण पाठ्यक्रम, नेतृत्व विकास कैम्पसूल में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के अपर महानिदेशक मेजर जनरल राकेश राणा ने बताया है कि जो स्कूल पूरी तरह सेस्व–वित्त पोषण योजनाओं में आउट ऑफटर्न आवंटन के इच्छुक हैं, वे निकटतम एनसीसी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

लॉक डाउन मे धड़ल्ले से चल रहे हुक्का बार पर आशियाना पुलिस का छापा

लखनऊ, (यूएनएस)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद संपूर्ण उत्तर प्रदेश में लागू किए गए आंशिक लॉकडाउन में जहां समस्त दुकाने मार्केट माल होटल बंद है वही आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में कोविड 19 प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर अवैध रूप से एक हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था। आशियाना पुलिस को कोरोना काल में चल रहे हुक्का बार की सूचना मिली तो पुलिस ने आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में स्थित मुथूट फाइनेंस बिल्डिंग के दूसरे तल पर हुक्का बार में छापा मार कर सेक्टर एच आशियाना के रहने वाले शारिक हुसैन, राम नगर आलमबाग के रहने वाले राजवीर सिंगर ,बंगला बाजार आशियाना के रहने वाले सुल्तान, सेक्टर एफ कृष्णा नगर के रहने वाले तुषार, सनशाइन सिटी कृष्णा नगर के रहने वाले अमित सिंह उर्फ अमित डेंबला, सेक्टर आई आशियाना के रहने वाले नदीम सिद्दीकी व अमीनाबाद के रहने वाले मानिक को गिरफ्तार कर अवैध रूप से संचालित हुक्का बार से 7 हुक्के 6 चिलम बरामद कर लिए। आशियाना थाना क्षेत्र के बंगला बाजार में कोविड 19 प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाते हुए अवैध रूप से संचालित हुक्का बार में हुक्के का धुआं उड़ा रहे सभी 7 लोगों को आशियाना पुलिस ने गिरफ्तार कर यह संदेश देने का प्रयास भी किया है की पुलिस आंशिक लॉक डाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों को बख्शने के मूड में नहीं हालांकि आंशिक लॉकडाउन के दौरान भले ही बाजार और दुकानें पूरी तरह से बंद है लेकिन सड़कों पर लोग ई रिक्शा चलाकर सब्जी व फल के ठेले लगा कर अपने परिवार का भरण पोषण तो कर ही रहे हैं।

गुरूद्वारा आलमबाग से डीएम ने 10 सिलेण्डर की गाड़ी को उन्नाव के लिये रवानगी दी

लखनऊ, (यूएनएस)। करोना संकट के दौर में जीवन खतरे में है हवा बिक रही है कालाबाजारी के इस दौर में केन्द्री सिंह सभा लखनऊ, गुरूद्वारा आलमबाग द्वारा मानवता को जिंदा रखते हुये, लोगो की साँसे न रूके, जिन्दगी चलती रहे। स. संदीप सिंह आन्नद, मंदीप बजाज, विशाल अग्रवाल, अध्यक्ष लोहा व्यापार मण्डल, लखनऊ व गुरू गोबिन्द सिंह स्टडी सर्कल के सहयोग से लखनऊ में चार सेन्टर गुरूद्वारा आलमबाग, महानगर, मिल रोड, रेशबाग व डालीबागमेंबनाकर 'आक्सीजन लंगर' की शुरूआत की गयी, ताकि होम आइसोलेशन में घर पर ईलाज कर रहे लागों को अतिशीध्र आक्सीजन सेवा देकर जिन्दगी बचायी जा सके। गुरूद्वारा आलमबाग के अध्यक्ष स निर्मल सिंह ने बताया कि आक्सीजन के साथ पीपीई कीट, स्टीमर, मास्क, रेगुलेटर, सैनेटाइजर के साथपौधो की सेवाभी की जारहीहै। यह सारी सेवायें शासन प्रशासन के सहयोग से कोविड नियमों का पालन करते हुये की जा रही है। मुख्य सहयोगी व कमेटी के पदाधिकारी स. संदीप सिंह ने बताया कि इस दौरान सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी, उन्नाव से भीबहुतायतलोगो के फोनऔरआक्सीजन की माँगको देखते हुये गुरूद्वारा आलमबाग की ओर से आज जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश गुरूद्वारा उन्नाव में शुरू होरहेआक्सीजनलगंर की सेवा के लिये गाड़ी को रवानगी देगें। लखनऊ लोहा व्यापारमंडल के अध्यक्ष विशाल अग्रवाल ने बताया की इस सेवा हेतु आक्सीजन फार फरैंड ग्रुप की ओर से 15 दिनकाराशनकीट की सेवा की जा रही है, अब तक 700 के लगभग सिलेण्डर और 400 राशन कीट की वितरण किया जा चुका है। स. संदीप बजाज ने कहा कि विदेशों में रह रहे बच्चों के बहुत सारे फोन काल आपने परिवार के लिये आक्सीजन, दवाईयाँ औरसेवा के लिये फोन आ रहे है और सारी सेवाये निःशुल्कउपलब्ध कराई जा रही है। मिडिया प्रभारी हरजीत सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी ने आज गुरूद्वारा आलमबाग सेवा सेन्टर पर आकर सभी सेवादारों को इस समय समाज की सेवा हेतु बधाई देते हुये हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया, 20 लोगो की राशन कीट, पौधे व मास्क वितरण के साथ 10 सिलेण्डर की गाड़ी को उन्नाव के लिये रवानगी दी।

हर जिले में प्लाज्मा बैंक की तैयारी में परिषद

लखनऊ, (यूएनएस)। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी ने प्रदेश के समस्त सम्बंध संगठनों एवं परिषद के जिलाध्यक्ष, मंत्रियों को एक पत्र जारी कर जनपद में कोरोना संक्रमण का शिकार होकर रिकवर हुए कार्मिकों की सम्पूर्ण जानकारी केन्द्रीय कार्यालय प्रेषित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विशेषज्ञ तीसरी लहर आने का दावा कर रहे है और दूसरी लहर के दौरान संक्रमित हुए कार्मिकों और शिक्षकों को संसाधनों के अभाव में भारी दिक्कतो के साथ हजार की संख्यामें कर्मचारी और शिक्षकों को जान गॅवानी पड़ी है ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अगर वास्तव में तीसरी लहर आई तो उक्त संकलित जानकारी से बनी डायरेक्ट्री कर्मचारी शिक्षक और उनके परिजनों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगी। परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने समस्त पदाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा है।

गर्मी व कम पानी के कारण ताल की मछलियां पलटी- चर्चा

- लगातार दो दिनों से पलट रही मछलियां

- मछलियों को पलटा देख ताल स्वामियों के होश उड़े

नन्हे तिवारी

बघौचघाट देवरिया। जनपद देवरिया ब्लाक पथरदेवा थाना बघौचघाट के अंतर्गत ग्राम सभा सखिनी मे आज लगातार दो दिनों से अधिक गर्मी व ताल में कम पानी के कारण बड़ी बड़ी मछलियां

पलट रही है। आज सुबह 6 बजे सोमवार के दिन लोगो का तांता उस समय मछ्ली ताल पर लग गई जब ग्रामीणों में इसकी सूचना फैली , कई गांव के लोग ताल पर इकठ्ठा रहे। इस बीच ग्रामीण मछलियों को छानने में लगे रहे। इतना ही नही अपने परिवार को देखते हुए ग्रामीणों को जितना उचित लगा एवं जरूरत भर उतनी मछलियों को उठा कर ले जाने में कोई कसर नही छोड़े। इस बीच ताल के सदस्य गण मौजूद दिखे। ग्रामीण मछलियों को पाकर ले जाने में गदगद दिखे। इधर ताल के स्वामी अपने नसीब को कोष रहे थे। बतादूँ की गर्मी व कम पानी के कारण बहुत नुकसान ताल में देखने को मिला जिसकी चर्चा तेज रही।

कोविड एल-2 व संयुक्त हास्पिटल का निरीक्षण किए नोडल अधिकारी

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कोविड 19 कोरोना नियंत्रण एंव रोक थाम हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी राजन शुक्ला अपर मुख्य सचिव,नागरिक सुरक्षा एंव राजनैतिक पेंशन एंव जिलाधिकारी डा0 उज्ज्वल कुमार द्वारा कोविड हास्पिस्टल एल–2,के एम सी डिजिटल हास्पिटल, ग्राम सभा बडहरामीर में कोविड कैम्प तथा कोविड कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। सचिव कोविड हास्पिटल एल–2 के निरीक्षण में सीएम एस व पैरा मेडिकल स्टाफ तथा डाक्टरो से वार्ता कर संक्रमित मरीजों की सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की । आक्सीजन व जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली,तथा आक्सीजन की उपलब्धता की स्टाक व मरीजो को पाईपलाईन से देने वाली आक्सीजन को भी देखा गया । उन्होने मरीजों की भर्ती व किये जाने वाले इलाज पर निर्देश दिया कि कोविड इलाज हेतु लगाये जाने वाले डाक्टर व स्टाफ का प्रशिक्षण भी जरूरी

है । संयुक्त हास्पिटल के निरीक्षण में शबाना की नवजात शिशू की इन्फेक्शन के कारण आईसीयू में भर्ती की रिपोर्ट तलब की । इसके पश्चात वैक्सीनेशन कक्ष के निरीक्षण में लाईन के माध्यम से वैक्सीनध्टीका लगवाने का निर्देश दिया । सचिव द्वारा तत्पश्चात केएमसी हास्पिटल का दौडाकर कोविड मरीजों की जानकारी ली तथा बेहतर ईलाज हेतु निर्देशित किया । इसके पश्चात ग्राम सभा बडहरामीर में निगरानी समिति,आर आर टी टीम व स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना सैम्पलिंग तथा दवा वितरण कैम्प का निरीक्षण किया । कोरोना की 24 सैम्पलिंग किया गया था जिसमें कोई पाजिटिव ब्यक्ति नही मिला । आर्यूवैदिक तथा होम्योपैथिक विभाग से यूनिटी बढाने तथा बचाव हेतु दवा का वितरण किया जा रहा था । ग्राम सभा के विन्देश्वरी का गेहूँ आग लगने से जल गया के निस्तारण हेतु तहसीलदार को निर्देश दिया कि मण्डी समिति से यथा शीघ्र कार्यवाही पूर्ण करा कर मुआवजा दिलाया जाय । गेहूँ क्रय केन्द्र में बताया गया कि मोहनापुर पीसीएफ क्रय केन्द्र है सिचांई हेतु सरकारी नलकूप स्थापित है व चालू है व पाइपलाईन के माध्यम से सिचाई किसान करते है । मुख्यालय में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम के निरीक्षण में डैललाईन व मोबाईल नम्बरों से होम आइसोलेशन में रहने वाले संक्रमित मरीजो की स्थिति व आर आर टी टीम द्वारा दवा किट वितरण की पूरी जानकारी की ली ।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल,एडीएम कुन्ज बिहारी अग्रवाल,अपर एसडीएम अविनाश कुमार,सी0एम0एस0ए के राय,डा0ए0बी0त्रिपाठ डा0राकेश कुमार,डा0अरविन्द मिश्रा डा0विरेन्द्र मिशा पैरामेडिकल स्टाफ,डीपीआर ओ केबी बर्मा,बीडीओ मिठौरा,सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत व नवागत प्रधानो की बुलाई गई बैठक

अमिट रेखा शक्ति ओम सिंह

खजनी गोरखपुर। खजनी थाना प्रांगड़ में सीओ खजनी ने नवनिर्वाचित बीडीसी व ग्राम प्रधानों की बैठक बुलाई । बैठक के दौरान विकास खजनी क्षेत्र खजनी थाना अंतर्गत पड़ने वाले गांव के प्रधान बीडीसी उपस्थित रहे । बैठक सीओ ने क्षेत्र में हो रहे अवैध कारोबारियों के बारे में पूछा गया लेकिन कोई नवनिवचित प्रधान बीडीसी कुछ कहने से परहेज करते रहे बार बार पूछने के बाद कुछ लोगो ने दबे जुबान अवैध शराब के बारे में बताया। बैठक का उद्देश्य शान्ति ब्यवस्था कायम रखना ,अवैध कारोबार को लेकर गोपनीय सूचना देकर पुलिस का सहयोग करना । सीओ ईन्दू प्रभा सिंह ने बताया आप लोग को जनता चुन कर भेजी है । आप लोग का दायित्व है उनके अनुसार चलना , आप के इर्द गिर्द कहि भी कोई अवैध कारोबार हो रहा है उसकी सूचना गोपनीय स्तर से दें । आपकी सूचना गोपनीय रख्खी जाएगी कोरोना को लेकर पूछा गया । सावधानी बनाये रहे ,कोरोना काल मे बिना वजह न घूमे,। वहीं थानाध्यक्ष मृतुन्जय राय ने बताया जीते हुए प्रधान कभी भी जनता के प्रति द्वेष भावना न रख्खे । बिना भेद भाव के गांव में सामंजस बनाये रखे आप जीते है ,निश्चित सर्वाधिक लोग आपके पक्ष में थे । जो वोट दिया वह भी आपका है । जो नही दिया वह भी है । कोई विरोधी चाल कर रहा उसका सूचना हमको दें । पुलिस प्रसाशन का सहयोग करे।

युवक को गोली मारने की घटना से सम्बन्धित 02 और अभियुक्त गिरफ्तार

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। लालगंज के हदिराही गांव में चुनावी रंजिश मे गोली मारी गई थी इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई जिसमें पुलिस ने चार अभियुक्त को पहले ही जेल भेज चुकी हैं उस मे शेष दो अभियुक्त की गिरफ्तारी। दिनांक 23.04.2021 को थानाक्षेत्र लालगंज के ग्राम हदिराही में एक व्यक्ति वरुण तिवारी उर्फ छेदी पुत्र स्व0 भगवती प्रसाद तिवारी नि0 ग्राम हदिराही थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को चुनावी रंजिश को लेकर दूसरे पक्ष के नन्हेंलाल वर्मा पुत्र रामनाथ वर्मा निवासी हदिराही थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ आदि के द्वारा गोली मार दी गई थी,. जिससे उक्त व्यक्ति वरूण तिवारी घायल हो गया थे, जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस घटना के संबंध में वादी की तहरीर पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0 220ध्21 धारा 147, 148, 149, 307, 323, 504, 506, 188

भादंवि का अभियोग 07 व्यक्ति नामजद व 02 व्यक्ति अज्ञात के विरूद्ध पंजीकृत किया गया था, जिसमें धारा 302 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई है। उक्त अभियोग से संबंधित 04 अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है, थाना लालगंज के प्रभारी निरीक्षक रणजीत सिंह भदौरिया मय हमराह द्वारा उपरोक्त मुकदमें से सम्बन्धित 02 और अभियुक्तों 01. महेन्द्र कुमार पुत्र नन्हेलाल वर्मा 02. लक्ष्मण वर्मा पुत्र नन्हकू नि0गण हदिराही थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया।

नोडल अधिकारी ने आज इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर व जिला अस्पताल का किया निरीक्षण,एवं दिए आवश्यक निर्देश

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी सुधीर गर्ग ,आईएएस ,अधिकारी प्रमुख सचिव वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आज इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर, तथा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। साथ ही जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल , अपर जिलाधिकारी शत्रोहन वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 अरविंद कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ कोविड–19 से बचाव संबंधी किए जा रहे कार्यों व निगरानी समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। तथा उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि कोविड–19 से जो भी व्यक्ति संक्रमित है या होम आइसोलेशन में हैं उनका लगातार टेलिफोनिक कॉल करके आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें जिला हॉस्पिटल मे, लेवल 2 चिकित्सालय में एडमिट कराते हुए उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए।

महाराजगंज के रिसौरा में 22 वर्षीय युवक को चाकू मार कर किया जख्मी

- युवक के आंख में लगी है चाकू

अमिट रेखा गोरखपुर। जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के रिसौरा गांव में रविवार की रात्री 8.10 बजे गांव के युवकों के बीच

किसी बात को लेकर वाद विवाद के बीच तीन चार युवकों ने एक युवक को चाकू मारकर जख्मी कर दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गांव की किसी व्यक्ति की मृत्यु रविवार को हो गयी थी। उनको दफनाने के लिए गांव के श्मशान घाट पर लोग गये थे। जिसमें गांव के कुछ युवक भी गये थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर युवकों में वाद विवाद हो गया। तभी तीन चार की टोली में गये युवकों में से एक युवक ने गांव के ही सुरेश कुमार साह को चाकू से प्रहार कर दिया जिससे उसके बाये आंख में चाकू लग जाने से वह जख्मी होकर जमीन पर गीर गया। वहीं उक्त युवक वहां से भाग गये। लोगों ने तुरंत सुरेश कुमार साह को सिवान सदर अस्पताल लेकर लेकर गए जहां चिकित्सकों ने युवक की चिंताजनक हालत में पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया. ग्रामीणों ने इसकी सुचना थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह को दे दी है।

दुदही स्थित बडौदा यूपी बैंक दुर्ब्यवस्था का शिकार

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। लांक डाउन से कोरोना महामारी बीमारियों से खत्मा करने के लिए सरकार एवं प्रशासन द्वारा एक बहुत स्वागत योग्य कदम उठाया है लेकिन शासन प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी दुदही स्थित बडौदा यूपी बैंक मे लाक डाउन का उलंघन जोरो पर हो रहा है। बताते चलें कि दुदही कस्बा मे स्थित बडौदा यूपी बैंक मे इन दिनों लोगों को उमडी भीड़ यह बताने के लिए काफी था कि कोरोना महामारी वायरस के संक्रमण को किस कदर लोगों व्दारा दावत दिया जा रहा है ।बैंक का नाजरा यह बताने के लिए काफी था कि सोशल डिस्टसिंग को किस तरह धज्जियां उडाई जा रही थी ।बताते चलें कि यह दुदही कस्बा मे स्थित बडौदा यूपी बैंक के कर्मचारियों का आलम यह है कि बैंक दस बजे खुलने के वजाय हमेशा विलम्ब से खुलता है जिससे खाताधारको को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है । सनद रहे कि बैंक कर्मियों की उदासीनता एवं लापरवाही से कोरोना वायरस के संक्रमण को दावत दे रही बैंक पर उमडी भीड़ ।बैंक में मौजूद खाताधारक अपने अपने पास बुक चेक कराने के लिए खडे थे लेकिन कोई बैंक कर्मी, उनका बैलेंस बताने के लिए फुर्सत नहीं था क्योंकि यहां हर कार्य बैंक दलाल के माध्यम से होता है । बैंक मे खाताधारक अपना बेलेंस जानने के लिए परेशान थे लेकिन उनका बैलेंस बताने के लिए कोई बैंक कर्मी बताने के लिए तैयार नहीं थे ।बैंक प्रत्येक दिन दस बजे न खुलने से खाताधारक परेशान है । बैंक मे काफी भीड होने से खाताधारक के माथे से पसीने छूट रहे थे ।बैंक में सोशल डिस्टसिंग पालन नहीं किया जा रहा था।कोरोना के कई महीने बीत जाने के बाद दुदही कस्बा मे स्थित बडौदा यूपी बैंक की हालत बद से बदतर है बैंक समय से नहीं खुलने से बैंक हांफते नजर आ रहा है।

घर में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत दो लोगो को किया घायल

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महराजगंज। महराजगंज के सोहगीबरवा सेंक्चुरी के जंगल से निकल कर सोमवार की सुबह तेंदुए ने दो किसानों पर हमला कर दिया उस समय वह खेत में काम कर रहे थे घायल किसानों को इलाज के लिए लक्ष्मीपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर शाश्वत सेन गुप्ता ने दोनों घायलों को डिस्चार्ज कर घर भेज दिया।

वहीं झोपड़ी में तेंदुए के घुसने के बाद लोग डर कर घरों से बाहर निकल गए एसडीएम नौतनवा प्रमोद कुमार वन विभाग व पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा मंगा लिया गया था लक्ष्मीपुर रेंज के जंगल के सीमावर्ती गांव पिपरा सोहट के मैरी पिपरी टोला के बाहर सोमवार की सुबह सात बजे खेत में कुछ बंदर धमाचौकड़ी मचा रहे थे इसी दौरान जंगल से निकला तेंदुआ एक बंदर का शिकार कर लिया उसे खींच कर मैरी निवासी श्याम सुन्दर प्रजापति की झोपड़ी में घुस गया संयोग से झोपड़ी में कोई नहीं था इसी बीच श्याम सुन्दर अपनी झोपड़ी के पास पहुंचा तो उस समय तेंदुए की पूंछ झोपड़ी से बाहर निकली थी अंदर वह बंदर को खा रहा था झोपड़ी की टाट की दीवार को हिलता देख श्याम सुन्दर को कुछ शक हुआ।

पूंछ को देख उसे लगा कि कोई सांप है इस पर वह लाठी से पूंछ पर वार किया इससे तेंदुआ बौखला कर गुर्राते हुए बाहर निकला तो श्याम सुन्दर भागने लगे झोपड़ी से निकलने के बाद तेंदुए ने खेत में काम कर रहे राम किशोर (45) के कंधे व श्याम मिलन (50) के हाथ पर पंजे से झपट्टा मार दोनों को घायल कर दिया शोर मचाने पर ग्रामीण बचाव के लिए दौड़े ग्रामीणों का शोर सुन तेंदुआ श्याम सुन्दर प्रजापति के खपरैल के मकान में घुस गया फोर्स लेकर पहुंचे एसडीएम, तेंदुए को पकड़ने की शुरू हुई कोशिश घटना की जानकारी मिलते ही लक्ष्मीपुर रेंजर विनोद त्रिपाठी वन कर्मियों के साथ पिंजरा लेकर पहुंच गए मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी स्थिति को संभालने के लिए एसडीएम नौतनवा प्रमोद कुमार व एसओ कोल्हुई राम सहाय चौहान पुलिस बल लेकर पहुंचे ग्रामीणों को दूर हटाया डीएफओ पुष्प कुमार के. व एसडीओ संजय मल्ल भी मौके पर पहुंच गए

इसके बाद तेंदुए को पकड़ने का रेस्क्यू आपरेशन शुरू हुआ, लेकिन खपरैल के मकान में पिंजरा लगाने को लेकर वन कर्मी परेशान दिखे कई जगह से तेंदुआ के निकलने का रास्ता खपरैल के मकान में रहने के कारण तेंदुए को पकड़ने के लिए रेस्क्यू किया जा रहा है।

रेलवे का ग्राउंड शौचगाह बना

अमिट रेखा लार देवरिया '

केंद्र व प्रदेश सरकार के लाख प्रयास के बावजूद भी गांव में स्वच्छ भारत मिशन का सपना पूरा नहीं हो रहा हैस भारत सरकार के प्रयास से अधिकांश घरों में स्वच्छ भारत मिशन का शौचालय बना हुआ है, लेकिन प्रयोग नहीं हो रहा है, स्वच्छ भारत मिशन का स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का ठेंगा दिखा रहे हैंस नूनखार रेलवे दक्षिणी ग्राउंड के अगल–बगल के निवासी नूनखार रेलवे स्टेशन के दक्षिण पश्चिम दिशा में बसे हुए मकुनही गांव के निवासी रेलवे स्टेशन से लेकर पश्चिमी ढाले तक सुबह और शाम और दिन में कभी भी खुले में शौच कर रहे हैं। जिससे रात को तो छोड़िए दिन में ही आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस कड़ी में रेलवे प्रशासन या सरकार का कोई भी प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है, जो नूनखार ग्राम पंचायत के मकूनही निवासियों को बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। भारत सरकार ने गांव को स्वच्छ क्लीन करने के लिए तमाम तरह के हथकंडे अपनाए हुए हैं, फिर भी बच्चे हैं या बुढ़े महिला हो या पुरुष इस क्षेत्र को अपना शौचगाह मान बैठे हैं। रेलवे प्रशासन या प्रशासनिक डंडा जब तक नहीं चलेगा तब तक यह रेलवे ग्राउंड शौच मुक्त नहीं हो पाएगा और यहां पर स्वच्छ भारत मिशन का सपना अधूरा रहेगा।

21 कोरोना पाजिटिव मिलने से मैनपुर को किया गया सील

ब्युरो चीफ देवरिया

भोला यादव (विकास)

देवरिया के तरकुलवा विकासखण्ड के अनुसार मैनपुर में अभी तक कुल 21 कोरोना पाजिटिव केस है । आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में मैनपुर में आज आशा और आंगनबाड़ी में कार्यकत्रीयो के द्वारा ,सर्वे किया गया कराया गया है। जिसमें 25 एंटीजन और 25 आरटीपीसीआर किया गया। आज के जांच में एक भी कोरोना पाजिटिव नहीं पाये गये। जिसमें अभी तक मैनपुर मे कुल 21 कोरोना पाजिटिव पाएं गये। पाजिटिव मरीजों को होम आइसोलेट किया गया। मुन्ना यादव ने बताया कि इस मास्क, सेनेटाइजर, दो गज दुरी,साफ सफाई को ध्यान में रखे इस अवसर पर मौजूद तरकुलवा एडीओ रामाश्रय प्रसाद, ग्राम सचिव गौरव श्रीवास्तव,हल्का लेखपाल दिवाकर झा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टीम डा०अशरफ सिद्दीकी,विनय कुमार पाण्डेय,बीसीपीएम जे पी यादव, फार्मासिस्ट रामू मिश्रा,एलटी साजिया अंसारी,सीएचओ रूबि सीएचओ मंजू भारती,आशा द्रोपती देवी,गीता,सुमित्रा हसबूनिशा,चानमति, कमलेश, आंगनबाड़ी नूरजहां, पूनम, सुनीता,रम्भा, सहायिका आशा देवी सुपरवाइजर नरेन्द्र सिंह ग्राम प्रधान रूबि पति अभिनन्दन सिंह।

संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला शव

अमिट रेखा अमरजीत शर्मा

प्रतापगढ़। थाना अंतू के गांव रामपुर प्रन रजवाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव फंदे से लटकता मिला मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजें। थाना अंतू के गांव के रामपुर प्रन रजवाड़ी के संदीप वर्मा (लगभग 23 वर्ष) पुत्र लालता प्रसाद वर्मा का शव घर से कुछ दुर एक भवन में फंदे से लटकता हुआ संदिग्ध परिस्थिति मिला । सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा पीएम रिपोर्ट आने पर पुलिस मामले की आगे की कार्यवाही करेगी, शव मिलने से परिजनों में मचा कोहराम मचा।

बघौचघाट क्षेत्र में आए दिन हो रही मौत

अमिटरेखा अख्तर सिद्दीकी

देवरिया। बघौचघाट इलाके के गांवों में लगातार मौतें हो रही हैं। बड़ी संख्या में लोग बुखार, खासी व सांस की बीमारी से पीड़ित हैं। यहां की हालात देख ग्रामीण भयभीत हैं। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों की ओर से किया जा रहा सर्वेऔर दवा वितरण का इंतजाम नाकामी है। मजबूरी में झोलाछाप का सहारा ले रहे हैं।

बघौचघाट के ग्राम प्रधान रामविलास ने बताया कि क्षेत्र गांव में लोग कोरोना पाजिटिव हो रहे हैं। बीते 10 दिन में लगातार मौत क्षेत्र में हो रही है।। मेहा के प्रधान अब्बास ने बताया कि क्षेत्र में एक दर्जन लोगों की मौत बुखार व सांस लेने के परेशानी की वजह से हो चुकी है। लेकिन सरकार सुविधा के नाम पर कोरम पूरा कर रही हैं। हर गांव में लोग बुखार से पीड़ित हैं।लेकिन सरकारी दवा उन तक नही पहुँच रही है।अन्य समाजसेवीयो ने कहा कोरोना प्रकोप गांव में फैल रहे है। सरकारी सुविधा के अंतर्गत अब सैनिटाइजर व दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।

सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. - 9532989009

उप सम्पादक - के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव
मो०- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर न्यायालय के अधीन ही होगा।